Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 14
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 21 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 लंबित मामलों के निपटारे से त्वरित न्याय ... | 4 अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच के विरुद्ध ... | 7 हार्दिक पंड्या का वीडियो मैसेज देख भावुक...

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन की पहली बड़ी बैठक

विकसित भारत बनाने के लिए पार्टी को देंगे निर्देश

नई दिल्ली। नितिन नवीन को 20 जनवरी को औपचारिक तौर पर भाजपा का नया अध्यक्ष घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही भाजपा एक नई ऊर्जा के साथ काम करना शुरू करेगी। नितिन ने अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के सभी प्रदेश अध्यक्षों, संगठन मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। पार्टी के मुख्यालय में होने वाली यह बैठक शाम तक चलने की संभावना है। इस बैठक में पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष सहित कुछ उच्च पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। अपनी पहली औपचारिक बैठक के जरिए नितिन नवीन पार्टी को बड़ा संदेश देने की कोशिश कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 2047 के विकसित भारत के समय के लिए तैयार रहने की बात कही है। नितिन नवीन के पार्टी अध्यक्ष घोषित होने के अवसर पर भी उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को यही संदेश दिया है कि वे आने वाले समय की चुनौतियों और जिम्मेदारियों को देखते हुए आगे बढ़ें।

वर्तमान पीढ़ी को लेकर क्या बोले नवीन?

नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री मोदी की बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हर काल में पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने हिस्से का त्याग-तपस्या करनी पड़ती है। विकसित भारत के लिए वर्तमान पीढ़ी को भी अपने हिस्से का त्याग करना चाहिए। वे प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में इसी बात को आगे बढ़ाने का निर्देश दे सकते हैं।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में नितिन नवीन पार्टी को नई दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के संकेत दे सकते हैं। ज्यादातर राज्यों में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष बनाए जा चुके हैं। ऐसे में अब राज्य स्तरीय संगठन में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। लेकिन आगामी चुनावी राज्यों में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन के लिए वे कार्यकर्ताओं को तैयार रहने की बात कह सकते हैं।

औपचारिक अनुमोदन के लिए पार्टी की शीर्ष स्तरीय बैठक

नितिन नवीन के अध्यक्ष बनने के बाद एक से दो महीने के अंदर पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें नितिन नवीन की नियुक्ति को पार्टी का औपचारिक अनुमोदन मिल सकेगा। नए अध्यक्ष इस बैठक की तैयारियों के बारे में भी निर्देश दे सकते हैं।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच बोले डीके सुरेश

'शिवकुमार आलाकमान के फैसले का कर रहे इंतजार'

बंगलूरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई और पूर्व सांसद डीके सुरेश ने मंगलवार को जानकारी दी कि नेतृत्व के मुद्दे पर शिवकुमार कांग्रेस आलाकमान के फैसले का शांति से इंतजार कर रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए सुरेश ने कहा कि शिवकुमार पार्टी के एक अनुशासित सिपाही हैं। वे पार्टी और विधायकों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं।

सुरेश ने बताया कि वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भरोसा दिया है कि सही समय आने पर उचित फैसला लिया जाएगा। मैसूर में हुई बैठक में भी राहुल गांधी ने यही बात कही थी। सुरेश ने कहा, 'पार्टी और सभी 140 विधायकों को एकजुट रखने के लिए मेरे भाई धैर्यपूर्वक फैसले का इंतजार कर रहे हैं।'

क्या धैर्य की कोई समय सीमा है, इस पर उन्होंने कहा, सत्ता किसी को आसानी से नहीं मिलती। अगर यह मेरे भाई की किस्मत में लिखा है, तो वे मुख्यमंत्री जरूर बनेंगे। बिना सब्र के यह पद हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने 2028 के चुनाव से पहले पार्टी में एकता बनाए रखने पर जोर दिया। शिवकुमार की पार्टी अनुशासन के प्रति

प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, सुरेश ने कहा, 'वह पार्टी अध्यक्ष भी हैं और उन्हें सबसे पहले अनुशासन बनाए रखना चाहिए, जिसका वह लगन से पालन कर रहे हैं।'

क्या है मामला?

कर्नाटक में सत्ता की खींचतान तब तेज हो गई है जब कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा कर लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री पद में संभावित बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। यह अटकलें 2023 में सरकार गठन के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते से जुड़ी हैं।

जब सुरेश से पूछा गया कि शिवकुमार के समर्थकों को कब तक सब्र रखना चाहिए, तो सुरेश ने 22 से 31 जनवरी तक होने वाले विधानसभा सत्र का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सत्र के बाद देखेंगे कि हाईकमान क्या फैसला लेता है। उन्होंने यह भी साफ किया कि एक नेता को वोक्कालिगा, लिंगायत और दलित समेत सभी का समर्थन चाहिए होता है। सिर्फ एक समुदाय को खुश करके राजनीति नहीं हो सकती। सुरेश ने भरोसा जताया कि राहुल गांधी और पार्टी नेतृत्व कोई भी फैसला लेने से पहले सभी की राय लेंगे।

धन शोधन मामले में डीके शिवकुमार की याचिका पर सुनवाई टली

वहीं इस सबके बीच दिल्ली हाई कोर्ट ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की याचिका पर सुनवाई दस मार्च तक टाल दी है। याचिका में उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की धन शोधन जांच को चुनौती दी है। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर डुडेजा की बेंच ने यह फैसला लिया क्योंकि शिवकुमार के वकील ने वक्त मांगा था। मामले में शिवकुमार ने 2022 में यह अर्जी दी थी। वे चाहते हैं कि 2020 में दर्ज मामले और समन को रद्द किया जाए। उनका कहना है कि ईडी एक ही अपराध की दोबारा जांच कर रही है, जिसकी जांच 2018 वाले मामले में हो चुकी है।

राहुल गांधी का मनरेगा को लेकर सरकार पर निशाना, गरीबों को भूखा रखना चाहते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली। मनरेगा को खत्म करके सरकार वीबी-जी-राम-जी नाम से एक नया कानून लेकर आई है। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गाधी ने मोदी सरकार पर गरीबों के बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। मनरेगा के विरोध में कांग्रेस देश भर में मनरेगा बचाओ अभियान चला रही है।

मनरेगा पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता को केंद्रीकृत करने, इसे नौकरशाही को सौंपने और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मनरेगा का मकसद बेरोजगार ग्रामीणों को पैसे कमाने का जरिया देना था। लेकिन प्रधानमंत्री ऐसा नहीं चाहते, वे सत्ता को केंद्रीकृत करना चाहते हैं और इसे नौकरशाही को सौंपना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मरेने के लिए छोड़ना चाहते हैं। एक्ट में सुधार के नाम पर गरीबों का सुरक्षा कवच हटाया गया है। उन्होंने एक्ट से महात्मा गांधी के नाम को हटाने की भी निंदा की।

कांग्रेस सांसद अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उन्होंने राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया।

पश्चिम बंगाल जीतने का बीजेपी का नया प्लान, सुनील बंसल की अगुवाई में ये दिग्गज नेता संभालेंगे चुनावी कमान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपनी व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है और इसके लिए उसने अन्य राज्यों के कई अनुभवी नेताओं को चुनाव की तैयारियों में शामिल किया है। पिछले एक महीने में भाजपा ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी वरिष्ठ नेताओं (प्रवासी सदस्य) को बंगाल इकाई में मंडल से लेकर जिला स्तर तक आंतरिक मतभेदों को सुलझाने और चुनाव की तैयारियों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया है। इन प्रवासी सदस्यों में उत्तर प्रदेश के मंत्री जेपी एस राठौर, उत्तराखंड के मंत्री धन सिंह रावत, राजस्थान भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, हरियाणा भाजपा के महासचिव संजय भाटिया और कर्नाटक के पूर्व मंत्री सी टी रवि शामिल हैं। चूंकि ये नेता मुख्य रूप

से हिंदी बोलते हैं, इसलिए उनके साथ स्थानीय नेता भी होते हैं जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत के दौरान अनुवाद में मदद करते हैं। बंगाल में तैनाती के बाद से, इन नेताओं ने मंडल, विधानसभा और जिला इकाइयों में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।

राठौर, जिन्हें 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों और 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रबंधन का अनुभव है, को पश्चिम बंगाल की 35 विधानसभा सीटें सौंपी गई हैं। उनके अधीन पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोंटाई और तामलुक तथा पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के घाटाल और मेदिनीपुर शहर आते हैं। राणा उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर, बारासात और बोंगाँव की देखरेख कर रहे हैं। राणा पश्चिमी यूपी के शामली जिले से हैं और उन्होंने हरियाणा, दिल्ली, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में पार्टी के चुनावी प्रयासों का नेतृत्व किया है। उनके पास 28 विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी है और हाल ही में उन्होंने संदेशखाली का दौरा किया, जहां 2024 में स्थानीय टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। भाटिया को आरामबाग उपमंडल और श्रीरामपुर सहित हुगली जिला और हावड़ा शहर सौंपा गया है, जबकि चौधरी को कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और उत्तरी बंगाल के अन्य जिलों में पार्टी की तैयारियों की निगरानी का जिम्मा दिया गया है। ये सभी नेता राज्य के प्रभारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करते हैं।

भाजपा संग गठबंधन की अटकलों पर ओवैसी का पूर्ण विराम, कहा- 'हमारा रास्ता बिल्कुल अलग है'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में अपनी पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि समुद्र के दो किनारे कभी नहीं मिल सकते। एक विशेष साक्षात्कार में ओवैसी ने अकोट में हुई हालिया घटना का जिक्र किया, जिसमें एआईएमआईएम पार्षदों ने भाजपा के साथ गठबंधन करने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि अकोट में एआईएमआईएम के पांच पार्षदों ने चुनाव जीता था और पार्टी ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी।

ओवैसी ने कहा कि शुरुआत में पार्षदों ने दावा किया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि जिस समूह में वे शामिल हुए हैं वह भाजपा से जुड़ा हुआ है। ओवैसी ने बताया कि इसके बाद पार्टी ने उन्हें तुरंत नगर आयुक्त को पत्र लिखकर अपना समर्थन वापस लेने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि बाद में यह बात सामने आई कि

भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया था, जिसके बाद इम्तियाज जलील ने पार्षदों को पार्टी से निलंबित कर दिया। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि एआईएमआईएम प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों से गठबंधन करने वाले किसी भी सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि यह पता चला कि जब भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया, तो इम्तियाज जलील ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। चाहे भाजपा हो, एकनाथ शिंदे हों या अजीत पवार, अगर वे उनके साथ जाते हैं, तो पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में एआईएमआईएम के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, ओवैसी ने कहा कि पार्टी ने हाल के चुनावों में 125 सीटें और लगभग एक महीने पहले हुए नगर निगम चुनावों में लगभग 85 सीटें जीती थीं। उन्होंने आगे कहा कि एआईएमआईएम के पास अब राज्य भर की नगर परिषदों और नगर निगमों में 200 से अधिक पार्षद हैं। ओवैसी ने कहा कि इस बार हमने 125 सीटें जीती हैं। लगभग एक महीने पहले हुए नगर निगम चुनावों में हमारे लगभग 85 उम्मीदवार विजयी हुए थे। नगर परिषदों और नगर निगमों को मिलाकर देखें तो अब तक हमारे 200 से अधिक पार्षद विजयी हो चुके हैं। अगर कोई पार्टी चुनाव नहीं जीत पाती है, तो स्पष्ट है कि उस पार्टी में कुछ कमियां हैं। हम वर्षों से जमीनी स्तर पर लगातार काम कर रहे हैं। हाल ही में संपन्न हुए महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में एआइएमआइएम ने महत्वपूर्ण बढ़त दर्ज की, पिछले चुनावों की तुलना में अधिक सीटें जीतीं और बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में आठ सीटें हासिल कीं।

अभिनेता मेका श्रीकांत पहुंचे उज्जैन, महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में लिया बाबा का आशीर्वाद

उज्जैन **(एजेंसी)**। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता मेका श्रीकांत मंगलवार तड़के सुबह चार बजे विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने अलौकिक भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। तड़के भोर में आयोजित होने वाली इस विशेष आरती के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा।

अभिनेता श्रीकांत नंदी हॉल में बैठकर पूरे विधि-विधान से भगवान महाकाल की भस्म आरती के दर्शन करते नजर आए। इस दौरान वे लगातार भगवान महाकाल का जाप करते रहे और पूरी तरह भक्ति में लीन दिखाई दिए। भस्म आरती संपन्न होने के पश्चात उन्होंने नंदी महाराज का पूजन किया तथा देहरी से भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने पंडित के माध्यम से भगवान को जल अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना भी की।

मेका श्रीकांत तेलुगु सिनेमा के प्रतिष्ठित और अनुभवी अभिनेता हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में अब तक 125 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है और दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा वे फिल्म 'विरोधी' के निर्माता भी रह चुके हैं।

दर्शन उपरांत श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति की ओर से अभिनेता मेका श्रीकांत का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर की सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था, साफ-सफाई तथा मंदिर समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की खुलकर सराहना की। साथ ही उन्होंने देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं से महाकाल मंदिर में आयोजित भस्म आरती में अवश्य शामिल होने की अपील की।

भाजपा के दावे को खारिज करते हुए फारुख अब्दुला बोले- भारत के लिए फिर से गोलियां खाने को तैयार हूं

जम्मू **(एजेंसी)**। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी ने भारत के लिए गोलियों का सामना किया है और जरूरत पड़ने पर वह फिर से ऐसा करने के लिए तैयार है। उन्होंने भाजपा के इस दावे को खारिज कर दिया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस क्षेत्र में पथराव और आतंकवाद को पुनर्जीवित करना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जम्मू और कश्मीर के नए सिरे से विभाजन की मांगों को खारिज करते हुए उन्हें 'मूर्खतापूर्ण और अज्ञानतापूर्ण' बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2019 में अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया लद्दाख अंततः पूर्व राज्य में फिर से शामिल होगा।

अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में अतिरिक्त जिलों के निर्माण की संभावना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने पीर पंजाल और चिनाब घाटियों के लिए अलग संभाग बनाने की मांग की आलोचना करते हुए इसे 'डिक्सन प्लान' का हिस्सा बताया। यह प्रस्ताव सितंबर 1950 में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सर ओवेन डिक्सन ने भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू और कश्मीर विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से पेश किया था। अपनी पार्टी के दो दिवसीय ब्लॉक अध्यक्ष और सचिव सम्मेलन के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में अब्दुल्ला ने भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के कथित बयान को खारिज किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी अशांति पर फलती-फूलती हैं और क्षेत्र में पत्थरबाजी और आतंकवाद को फिर से सक्रिय करना चाहती हैं। अब्दुल्ला ने कहा, 'उन्हें बता दो कि अशांति फैलाने वाले हम नहीं हैं, हमने भारत के साथ रहने के लिए गोलियां खाई हैं, और जरूरत पड़ने पर हम फिर से गोलियां खाने के लिए तैयार हैं।' जब उनसे हाल ही में कुछ भाजपा नेताओं के जम्मू को राज्य का दर्जा देने की वकालत करने वाले बयान के बारे में पूछा गया तो अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी भी ऐसे विचारों को समर्थन नहीं दिया।

ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए: अनंत विजय

नई दिल्ली। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा रविवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की साम?ग्री का नियमन' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई।

परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए 'ओवर द टॉप का मायाजाल' पुस्तक के लेखक एवं समीक्षक अनंत विजय ने कहा कि ओवर द टॉप यानी ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री परोसी जा रही है, इसे लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही है। अच्छी बात है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इस विषय पर परिचर्चा आयोजित कर रही है।

उन्होंने कहा कि सिनेमा से ज्यादा बड़ा फलक ओटीटी का हो गया है। इस माध्यम में कुछ अच्छी कहानियां दिखाई जा रही हैं, लेकिन अनेक कहानियों में प्रस्तुत भगवान का उपहास उड़ाने की प्रवृत्ति, सेना और सैनिकों की छवि खराब करने जैसे प्रसंग, गाली-गलौज, यौनिकता, नग्नता, हिंसा से भरे कंटेट चिंता का विषय है और उस पर कहीं न कहीं अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए। सरकार पर इसे लेकर बहुत दबाव है और वह विचार कर रही है। हालांकि इसके लिए काफी संसाधनों की आवश्यकता होगी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यालय मंत्री संजीव सिन्हा ने संस्था परिचय प्रस्तुत

करते हुए कहा कि परिषद् भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों की संस्था है। 1966 ई. में स्थापित इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महान साहित्यकार जैनेंद्र कुमार थे।

'साहित्य परिक्रमा' पत्रिका प्रबंधक रजनी मान ने परिषद् के रीवा राष्ट्रीय अधिवेशन में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की सामग्री का नियमन' विषय पर पारित प्रस्ताव का पाठ प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्स पर प्रसारित होनेवाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।

परिचर्चा का संचालन इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, आरके पुरम विभाग के अध्यक्ष एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मलखान सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना रजक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण आर्य, इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष विनोद बब्बर, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा एवं ममता वालिया, संयुक्त महामंत्री बृजेश गर्ग, मंत्री सुनीता बुग्गा एवं राकेश कुमार, जगदीश सिंह, नरेन्द्र मिश्र, अखिलेश द्विवेदी, नवीन नीरज, जितेन्द्र कालरा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

'डिक्सन योजना' पर पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती का पलटवार बोलीं- यह पीडीपी नहीं, एनसी का एजेंडा है

श्रीनगर **(एजेंसी)**। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू के पीर पंजाल और चेनाब घाटी क्षेत्रों के संभागीय दर्जे से जुड़े अपने बयान पर हालिया विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) को 'डिक्सन प्लान' से अलग कर दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के नेता फारूक अब्दुल्ला पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके पिता, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला को 'डिक्सन प्लान के कारण गिरफ्तार किया गया था, इसलिए यह नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा है, पीडीपी का नहीं।'

पीर पंजाल और चेनाब घाटी के संभागीय दर्जे से संबंधित अपने बयान को स्पष्ट करते हुए मुफ्ती ने कहा कि मैं प्रशासन की बात कर रही थी, मैंने डिक्सन प्लान का जिक्र नहीं किया। अपने बयान के समर्थन में अपने पिता की विचारधारा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'मुफ्ती साहब ने अपना पूरा जीवन जम्मू और कश्मीर को एकजुट रखने के प्रयास में बिताया।' उन्होंने कहा कि पीडीपी जम्मू-कश्मीर का विभाजन नहीं चाहती, और वह इन जिलों के लिए संभागीय प्रशासन की मांग कर रही थीं क्योंकि ये जिले दूर स्थित हैं, जिससे स्थानीय लोगों के लिए अपनी शिकायतें अधिकारियों तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। डिक्सन योजना, संयुक्त राष्ट्र के मध्यस्थ सर ओवेन डिक्सन द्वारा 1950 में दिए गए एक प्रस्ताव को संदर्भित करती है, जिसमें जम्मू-कश्मीर को विभाजित करने, लद्दाख को भारत को सौंपने, उत्तरी क्षेत्रों/पीओके को पाकिस्तान को सौंपने और संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में कश्मीर घाटी में जनमत संग्रह (मतदान) कराने का सुझाव दिया गया था।

30 जनवरी को बीजेपी का मेयर तय, शिंदे गुट को नहीं मिलेगा पद?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 30 जनवरी को महापौर चुनाव हो सकते हैं। इस चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नया महापौर मिलने की संभावना है। सूत्रों से यह भी संकेत मिलता है कि भाजपा शिंदे गुट को महापौर पद की पेशकश नहीं करेगी। बीएमसी आयुक्त महापौर चुनाव का औपचारिक कार्यक्रम घोषित करेंगे। इसमें महापौर के चुनाव के लिए श्रेणी तय करने हेतु लॉटरी निकाली जाएगी, जिसके बाद महापौर और उप महापौर दोनों के लिए मतदान होगा।

बीएमसी में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की संयुक्त शक्ति 118 पार्षदों की है, जो बहुमत के लिए आवश्यक 114 सीटों से चार अधिक है। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), जिसके पास तीन सीटें हैं और जो महायुति गठबंधन का हिस्सा है, के समर्थन से यह संख्या बढ़कर 121 हो जाती है, जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिति और मजबूत हो जाती है।

विपक्ष बहुमत से पीछे रह गया

विपक्षी दल की ओर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिली हैं। उसने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसे केवल छह सीटें ही मिल सकीं। कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं, जबकि शरद पवार की एनसीपी (एसपी) को सिर्फ एक सीट मिली। इन सभी पार्टियों को मिलाकर भी कुल 96 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक सीमा से काफी कम हैं।

एमवीए में मतभेद

शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दल हैं, लेकिन कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) ने बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने का विकल्प चुना। शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस को एमएनएस के साथ गठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक खंडित विपक्षी मोर्चा बन गया।

अबू सलेम की पैरोल पर सरकार की दो टूक, 'भागा तो पुर्तगाल से संबंध होंगे खराब'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया है कि गैंगस्टर अबू सलेम को पैरोल पर रिहा करने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिनमें उसके देश से भाग जाने का खतरा और भारत-पुर्तगाल के बीच राजनयिक संबंधों को नुकसान पहुंचना शामिल है। मंगलवार को अदालत में दाखिल हलफनामे में सरकार ने सलेम के बड़े भाई की मृत्यु के बाद 14 दिनों की पैरोल की उसकी अर्जी का विरोध किया। सरकार ने कहा कि अगर कोई राहत दी भी जाती है, तो वह आपातकालीन पैरोल के तौर पर अधिकतम दो दिनों तक ही सीमित होनी चाहिए। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और श्याम चंदक की खंडपीठ ने की। सुनवाई के दौरान, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा कि वह सलीम के मामलों में अभियोजन पक्ष है और उसे प्रतिवादी के रूप में जोड़ा जाना चाहिए। सीबीआई ने यह भी चेतावनी दी कि सलीम को जमानत या पैरोल देने से कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले की आगे की सुनवाई 28 जनवरी को करेगा। जेल महानिरीक्षक सुहास वार्के द्वारा दायर हलफनामे के अनुसार, सलीम एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी है जो कई दशकों से संगठित अपराध में शामिल रहा है। हलफनामे में कहा गया है कि उसे पुर्तगाल से एक संधि के तहत प्रत्यर्पित किया गया था जिसमें भारतीय सरकार द्वारा दी गई विशिष्ट गारंटी शामिल थीं। हलफनामे में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत, पुर्तगाल के साथ प्रत्यर्पण के समय हुए समझौते की शर्तों का पालन करने के लिए बाध्य है। इसमें चेतावनी दी गई कि यदि सलीम पैरोल पर रहते हुए फरार हो जाता है, तो इससे दोनों देशों के बीच गंभीर राजनयिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा हो सकता है। राज्य ने यह भी बताया कि सलीम 1993 में गिरफ्तारी से बचने के लिए भारत से भाग गया था, जिससे यह आशंका जताई गई कि यदि उसे अस्थायी रूप से भी रिहा किया जाता है, तो वह फिर से ऐसा कर सकता है। सलेम को नवंबर 2005 में लिस्बन में गिरफ्तार किया गया और भारत वापस लाया गया। पुर्तगाल में, उसे फर्जी पासपोर्ट पर यात्रा करने के लिए दोषी ठहराया गया था।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं जबलपुर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 02133/02134 बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 02133 बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर स्पेशल तथा ट्रेन संख्या 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को अगली सूचना तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 02133 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 22 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मध्य रेल यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मुंबई से कोल्हापुर/अमरावती/नांदेड़ के बीच 8 विशेष ट्रेन सेवाएं चलाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मध्य रेल छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई (सीएसएमटी) और श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और हजूर साहिब नांदेड़ के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगी

इसके अलावा पनवेल-अमरावती के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेनें भी चलेंगी

विवरण इस प्रकार हैः

सीएसएमटी - कोल्हापुर - सीएसएमटी विशेष - 2 सेवाएं

ट्रेन संख्या 01039 दिनांक 24.01.2026 को 00:30 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11:45 बजे कोल्हापुर पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01040 दिनांक 26.01.2026 को 16:40 बजे कोल्हापुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:05 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी।

ठहराव : दादर, ठाणे, कल्याण, लोनावला, चिंचवड, पुणे, जेजुरी, लोनंद, सातारा, कराड, किर्लोस्करवाड़ी, सांगली, मिरज, जयसिंहपुर और हातकनंगले।

संरचनाः 1 एसी 2-टियर, 3 एसी 3-टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन।

एलटीटी - नांदेड़ - एलटीटी विशेष - 4 सेवाएं

ट्रेन संख्या 01041दिनांक 23.01.2026 और 24.01.2026 को दोपहर 15:30 बजे एलटीटी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 4:00 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01042 दिनांक 24.01.2026 और 25.01.2026 को 23:30 बजे नांदेड़ से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:40 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

ठहरावः ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नाशिक रोड, मनमाड, नागरसोल, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परतूर, सेलू, परभणी और पूर्णा।

संरचनाः 1 एसी 2-टियर, 3 एसी 3-टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गाड्र्स ब्रेक वैन।

अमरावती-पनवेल-अमरावती अनारक्षित विशेष - 2 सेवाएं

ट्रेन संख्या 01415 दिनांक 26.01.2026 को 19:50 बजे पनवेल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे अमरावती पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01416 दिनांक 22.01.2026 को 12:00 बजे अमरावती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:00 बजे पनवेल पहुंचेगी।

ठहरावः कर्जत, लोनावला, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, चालीसगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मूर्तिजापुर और बडनेरा।

संरचनाः 16 शयनयान श्रेणी / सामान्य द्वितीय श्रेणी / द्वितीय श्रेणी चेयर कार और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

आरक्षणः

ट्रेन संख्या 01039, 01040 और 01041के लिए बुकिंग सभी पीआरएस केंद्रों और IRCTC वेबसाइट (www.irctc.co.in) पर खुली है। अनारक्षित कोचों के लिए सामान्य शुल्क पर बुकिंग यूटीएस के माध्यम से की जा सकती है।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया इस पर ध्यान दें।

सेंट्रल रेलवे आरपीएफ कर्मी - वर्दी में फरिश्ते – ऑपरेशन जीवन रक्षा के अंतर्गत जान बचाना एवं ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं को सहायता प्रदान करना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे की आरपीएफ हमेशा न केवल रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे सतर्क रहकर अग्रिम पंक्ति में रही है, बल्कि अनेक भूमिकाएँ भी निभा रही है। ऑपरेशन जीवन रक्षा के अंतर्गत सेंट्रल रेलवे आरपीएफ ने उन यात्रियों की जान बचाई है, जो कभी-कभी लापरवाहीवश चलती ट्रेनों में चढ़ते या उतरते समय खतरे का सामना करते हैं। नरसिंह कनौजिया, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए एक यात्री को गंभीर नुकसान से बचाया; 26.12.2025 को ड्यूटी के दौरान उन्होंने एक महिला यात्री को चलती धीमी लोकल ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते हुए देखा, जो प्लेटफॉर्म से रवाना हो रही थी और इसी दौरान ट्रेन व प्लेटफॉर्म के बीच गैप में गिर रही थी, जिस पर कनौजिया तुरंत बचाव के लिए दौड़े और महिला यात्री को सुरक्षित खींच लिया, जिससे एक संभावित घातक दुर्घटना टल गई; यात्री को परामर्श दिया गया तथा सुरक्षित रूप से यात्रा जारी रखने हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ऑपरेशन मातृशक्ति के अंतर्गत सेंट्रल रेलवे आरपीएफ आपात स्थितियों में प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है, जिसमें मार्ग में व स्टेशनों पर चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था, महिला को निकटतम अस्पताल ले जाना, परिजनों को सूचित करना आदि शामिल है। हाल की एक घटना में, सीआर आरपीएफ टीम ने 30.12.2025 को ट्रेन संख्या 22538 एलटीटी-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस में एक महिला का सुरक्षित प्रसव कराने में सहायता की। 30.12.2025 को ट्रेन संख्या 22538 एलटीटी-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस में चिकित्सीय आपात स्थिति की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर एल.बी. वाघ, आरपीएफ उप निरीक्षक, अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और पाया कि एक गर्भवती महिला यात्री को प्रसव पीड़ा हो रही है; स्थिति की गंभीरता, समय की कमी तथा ट्रेन के चलती होने को देखते हुए आरपीएफ टीम ने एक महिला सहयात्री की सहायता से ट्रेन के जनरल कोच में सुरक्षित प्रसव सफलतापूर्वक कराया; नासिक रोड स्टेशन रेलवे इमरजेंसी रूम में डॉक्टर एवं चिकित्सीय स्टाफ की सहायता से माँ व नवजात शिशु की प्राथमिक चिकित्सीय जाँच की गई तथा बाद में माँ व बच्चे को चिकित्सा सहायता हेतु नजदीकी सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। सेंट्रल रेलवे नरसिंह कनौजिया द्वारा यात्री की जान बचाने के साहसिक कार्य तथा एल.बी. वाघ एवं उनकी टीम द्वारा आपात प्रसव में गर्भवती महिला की सहायता करने के सराहनीय कार्य को स्वीकार करता है। सेंट्रल रेलवे आरपीएफ अपने क्षेत्राधिकार में यात्रियों, रेलवे संपत्ति एवं परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और समर्पित पेशेवरों की टीम के साथ ईमानदारी, सतर्कता एवं जनसेवा के उच्चतम मानकों का पालन करती है। रेलवे अपने यात्रियों से अपील करता है कि चलती ट्रेनों में चढ़ने या उतरने से बचें, क्योंकि यह जीवन के लिए अत्यंत खतरनाक है।

ऑपरेटिंग विभाग की टीम बनी डीआरएम कप-2026 चैम्पियन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वडोदरा मंडल की ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने डीआरएम कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट जीत लिया है। वडोदरा के प्रतापनगर में माधवराव सिंधिया स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्युत (ट्रैक्शन) विभाग की टीम को 7 विकेट से हराकर डीआरएम कप पर कब्ज़ा किया। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 08 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक आयोजित इस टूर्नामेंट में वडोदरा मंडल के विभिन्न विभागों की कुल 16 टीमों ने खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विद्युत(ट्रैक्शन)विभाग एवं ऑपरेटिंग विभाग की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और 'डीआरएम ट्रॉफी-2026' की चैम्पियन बनी। वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक एवं वडोदरा मंडल खेलकूद संघ के अध्यक्ष राजू भडके ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की और साथ ही टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि

रेल कर्मियों को अपनी ड्यूटी के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए, जिससे वे स्वस्थ और ऊर्जावान बने रहें।

इस प्रतियोगिता में सुरक्षा विभाग के मीठाभाई को बेस्ट बॉलर एवं ऑपरेटिंग विभाग के महेंद्र देसाई ने बेस्ट बैट्समैन का ख़िताब जीता। ऑपरेटिंग विभाग के कार्तिक को मैन ऑफ द सीरीज का ख़िताब दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके के मार्गदर्शन में वीडीएसए द्वारा इस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक नीरज धमीजा, वीडीएसए के सचिव प्रदीप मीणा एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

बुधवार को कांदिवली कार शेड में प्रवेश एवं निकास के निलंबन के कारण कुछ ट्रेनें निरस्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कांदिवली कार शेड में प्रवेश एवं निकास के निलंबन तथा कांदिवली एवं मालाड के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइन पर लगाए गए गति प्रतिबंधों के कारण 21 जनवरी, 2026 को कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी। ब्लॉक के कारण प्रभावित उपनगरीय ट्रेनों की सूची अनुलग्नक-I में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित उपनगरीय स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त परिवर्तनों पर ध्यान में रखें

महाराष्ट्र के कांदिवली में बड़ा हादसा, चलती बस में अचानक लगी आग, बाल-बाल बचे लोग

मुम्बई (**एजेंसी**)। मुंबई की आर्थिक राजधानी में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर यात्रियों से भरी एक निजी बस में अचानक भीषण आग लग गई। घटना में राहत की बात यह रही कि बस चालक और परिचालक की त्वरित और सूझबूझ भरी कार्रवाई के कारण सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे के दौरान हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात काफी समय तक बाधित रहा।

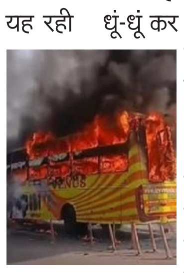

यह घटना सुबह करीब 10:00 बजे कांदिवली पूर्व के समता नगर इलाके में मेट्रो लाइन 7 के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस जब हाईवे से गुजर रही थी, तभी उसके अगले हिस्से से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बस मेट्रो पुल के ठीक नीचे धूं-धूं कर जल रही है और आसमान में काले धुएं का गुबार उठ रहा है।

आग लगते ही बस के अंदर चीख-पुकार मच गई। चालक ने तुरंत बस को किनारे रोका और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। कुछ यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

हादसे के कारण वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बोरीवली की ओर जाने वाले मार्ग पर भारी जाम लग गया। ट्रैफिक पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए कुछ समय के लिए मार्ग डायवर्ट किया और बाद में यातायात को सामान्य किया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। वहीं, अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस घटना में किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई–निविदा सूचना बीएसएल–टीआरएस–टेंडर–2026–02 dtd. 17/01/2026

(1) कार्य का विवरणः – इलेक्ट्रिक लोको शेड/भुसावल, कल्याण, अजनी और डीजल लोको शेड/ पुणे में 2 साल की अवधि के लिए कन्वेन्शनल और 3–फेज लोकमोटिव की औक्सिलरी मोटरों की ओवरहालिंग। **(2) अनुमानित लागतः**– Rs. 94,19,040/– **(3) निविदा बंद होने की दिनांक एवं समयः** – 12/02/2026 को 15.00 बजे **(4)** निविदा दस्तावेज़ बयाना राशी के समाविष्ट मुल्य के विस्तृत सूचना के बारे मे ओर विस्तृत निविदा शर्तों के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

BSL-01

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

सोलापुर डिवीजन

यांत्रिक कार्य

निविदा सूचना क्रमांकः– GEM/2026/B/7117378 dated-19.01.2026 मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के व्दारा भारत के राष्ट्रपति की ओरसे निम्नलिखीत कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम स्थान सहितः**– सोलापुर डिवीजन की प्राथमिक रूप से रखरखाव वाली ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) का संविदा कार्य जीईएम के माध्यम से 28 महीने की अवधि के लिए मानव संसाधन के आधार पर। **2. निविदा कार्य पध्दतीः**– दो पॅकेट सिस्टम, **3. कार्य की औसत लागतः**– रु 9,08,47,596.19/–, **4. निविदा प्रपत्र मुल्यः**– Nil, **5. कार्यालय का पता, जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है।:**– मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर, **6. जमा करने योग्य बयाना रकमः**– Rs. 6,04,240/–, **7. कार्य का समापन अवधिः**– अठ्ठाईस महीने कार्य की प्रारंभ की तिथी से, **8. निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समयः**– 11.02.2026 at 11.00 hrs., **9. निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समयः**– 11.02.2026 at 11.30 hrs., **10. वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपुर्ण विवरण देखो जा सकते है।:**– **WWW.GeM.gov.in**

26 वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे की

मुंबईकरों के लिए सौगात!

26.01.2026 से प्रभावी 12 नई एसी लोकल सेवाएँ शुरू की जाएँगी

अप दिशा में

से	तक	प्रस्थान	आगमन	प्रकार
गोरेगांव	चर्चगेट	05:14	06:11	धीमी
बोरीवली	चर्चगेट	07:25	08:20	तेज़
विरार	चर्चगेट	10:08	11:27	तेज़
भयंदर	चर्चगेट	12:44	13:48	तेज़
विरार	चर्चगेट	15:45	17:09	धीमी
गोरेगांव	चर्चगेट	19:06	20:01	धीमी

डाउन दिशा में

से	तक	प्रस्थान	आगमन	प्रकार
चर्चगेट	बोरीवली	06:14	07:19	धीमी
चर्चगेट	विरार	08:27	09:51	तेज़
चर्चगेट	भयंदर	11:30	12:31	तेज़
चर्चगेट	विरार	13:52	15:36	धीमी
चर्चगेट	गोरेगांव	17:57	18:51	धीमी
चर्चगेट	गोरेगांव	20:07	21:02	धीमी

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: X.com/WesternRly

लंबित मामलों के निपटारे से त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है..!- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य सरकार 'सभी के लिए न्यायष्ठ त्वरित न्याय' के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल एवं मार्गदर्शन में न्याय प्रक्रिया की श्रृंखला में मौजूद कमियों को दूर कर तेज़ गति से न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नए आपराधिक कानून के अंतर्गत त्वरित न्याय को प्राथमिकता दी गई है और उसी के अनुरूप न्यायिक सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला निदेशालय में लंबित मामलों का निपटारा किया जा रहा है। इससे न्याय प्रक्रिया और अधिक तेज़ हुई है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने न्यायिक सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला निदेशालय के अंतर्गत लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित समीक्षा कर इन लंबित मामलों के निपटारे की प्रक्रिया को भी गति दी। वर्ष 2025 में निदेशालय की प्रयोगशालाओं में एक लाख इक्यासी हजार मामले लंबित थे तथा दो लाख चौरानवे हजार नए मामले प्राप्त हुए थे। विशेष अभियान के क्रियान्वयन से

दिसंबर 2025 के अंत तक निदेशालय द्वारा तीन लाख छियानवे हजार आठ सौ उन्नासी मामलों का निपटारा किया गया, जिससे लंबित मामलों की संख्या घटकर उन्नासी हजार पाँच सौ बयालीस रह गई।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत सभी विभागों के कार्य मानकों को बढ़ाते हुए निदेशालय के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को प्रातः आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक अतिरिक्त कार्य समय दिया गया तथा शासकीय अवकाश के दिनों में भी कार्य कर लंबित मामलों का निपटारा किया गया। यद्यपि निदेशालय में कार्यरत मानव संसाधन की क्षमता कम से कम दो लाख से दो लाख पंद्रह हजार मामलों के निपटारे की है, फिर भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सुझावानुसार तीन लाख छियानवे हजार आठ सौ उन्नासी मामलों का निपटारा किया गया। लंबित मामलों में से निदेशालय ने एक लाख दो हजार चार सौ तेरह अतिरिक्त मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया है। दिसंबर 2025 तक पारंपरिक फॉरेंसिक विभाग ने लंबित मामलों में से तीन लाख छियानवे हजार दो सौ पचहत्तर मामलों का निपटारा किया है। साथ ही, इस विभाग में सत्ताईस हजार पाँच सौ चौबीस नए मामले प्राप्त हुए हैं और फरवरी 2026 से मामलों के प्राप्त होते ही उसी दिन विश्लेषण प्रारंभ किया जाएगा, जिससे प्रतिदिन मामलों के लंबित रहने की समस्या अतीत की बात बनती जा रही है तथा पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने की व्यवस्था सुदृढ़ की जा रही है। संगणक अपराध विभाग, साइबर विभाग, ध्वनि एवं श्रव्य अभिलेखन विभाग में भी लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है।

न्याय प्रक्रिया के तेज़ होने से अब पीड़ितों को वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। न्यायिक सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला निदेशालय की त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी कारण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निदेशालय को और अधिक सक्षम बनाने पर बल दिया है। राज्य के प्रत्येक उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय को एक 'चलित फॉरेंसिक वाहन' उपलब्ध कराया जा रहा है। इन सभी उपायों के परिणामस्वरूप न्याय प्रक्रिया को और गति मिलने में सहायता हो रही है।

राज्य नदी पुनर्जीवन प्राधिकरण केंद्रीय जल संसाधन मंत्री के समक्ष प्रस्तुति

पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने राज्य सरकार की भूमिका प्रस्तुत की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की नदियों को प्रदूषण के अभिशाप से मुक्त करने हेतु राज्य सरकार द्वारा एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'राज्य नदी पुनर्जीवन प्राधिकरण' की स्थापना की महत्वपूर्ण संकल्पना प्रस्तावित की गई है। राज्य की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से उनके निवास स्थान पर भेंट कर इस संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि यदि इस प्राधिकरण को स्वीकृति प्राप्त होती है, तो यह देश का पहला ऐसा प्राधिकरण होगा।

इस विशेष बैठक में पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने राज्य में जल एवं पर्यावरण से संबंधित परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह रेखांकित किया कि नदियों की स्वच्छता के लिए केंद्र सरकार की सहायता के साथ-साथ राज्य का स्वयं का स्वतंत्र तंत्र एवं सुव्यवस्थित योजना होना समय की आवश्यकता है। देश की अनेक नदियाँ विभिन्न राज्यों से होकर प्रवाहित होती हैं। यदि प्रत्येक राज्य अपनी भौगोलिक सीमाओं के अंतर्गत नदी तल की स्वच्छता एवं पुनर्जीवन के लिए स्थानीय स्तर पर प्रभावी एवं सुनियोजित योजनाओं को लागू करता है, तो नदियों को पूर्णतः प्रदूषण मुक्त बनाने का लक्ष्य साकार हो सकता है, ऐसा मंत्री मुंडे ने कहा। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से भविष्य में देश नदियों की पवित्रता तथा उनकी प्राकृतिक स्वरूपता को बनाए रखने में बड़ी सफलता प्राप्त करेगा।

केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने इस दिशा में महाराष्ट्र द्वारा उठाई गई पहल की विशेष रूप से सराहना की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस बैठक में राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय के निदेशक राजेश कुमार, महाराष्ट्र राज्य के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव जयंश्री भोज तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई की मुंबई मैराथन में सक्रिय सहभागिता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज़्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी), पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई ने 18 जनवरी 2026 को आयोजित प्रतिष्ठित मुंबई मैराथन में उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली का सशक्त संदेश दिया।

आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र की टीम का नेतृत्वगौरव झा, समूह महाप्रबंधक, पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई ने किया। इस अवसर पर लगभग 70 कर्मचारियों ने सहभागिता की। वरिष्ठ अधिकारियों मेंसंदीप दत्ता, एजीएम (कैटरिंग सर्विस);हर्षवर्धन सिंह रावत, एजीएम (टूरिज़्म);उमेश जी. नायडू, जेजीएम (कैटरिंग सर्विस); तथानागेश चौधरी,

प्रबंधक (मानव संसाधन) शामिल रहे, जिन्होंने सक्रिय रूप से भाग लेकर ड्रीम रन सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

इस अवसर परअभिषेक कदम, आईआरसीटीसी कर्मचारी, ने 42.195 किमी टाटा मुंबई मैराथन को 4 घंटे 58 मिनट 52 सेकंड में पूरा कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।कदम वर्ष 2017 से आईआरसीटीसी का प्रतिनिधित्व करते हुए मुंबई मैराथन में भाग ले रहे हैं और वर्ष 2026 उनकी 7वीं मुंबई मैराथन रही।

आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई, मुंबई मैराथन में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करता है, जिन्होंने गर्व, समर्पण और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ संगठन का प्रतिनिधित्व किया।

शहीदी समागम कार्यक्रम को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए समन्वय से कार्य करें- राज्यमंत्री माधुरी मिसाल

'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम की समीक्षा बैठक संपन्न

नांदेड़। 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम का आयोजन केवल नांदेड़ तक सीमित न रहे, बल्कि यह कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर पहुँचे–इसके लिए सभी विभाग समन्वय, सुनियोजित कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी के साथ काम करें। यह स्पष्ट निर्देश नगर विकास, परिवहन, सामाजिक न्याय, वैद्यकीय शिक्षा, अल्पसंख्यक विकास एवं औकाफ राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने दिए।

नांदेड़ में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक शताब्दी वर्ष कार्यक्रम की राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत समीक्षा की। बैठक में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, राज्य स्तरीय समिति के समन्वयक रामेश्वर नाईक, समिति अध्यक्ष डॉ. विजय सतबीर सिंह, विभागीय सूचना उपनिदेशक, जिला सूचना अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यमंत्री मिसाल ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ एवं पर्याप्त शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर पर किया जाए। स्थानीय स्तर पर आयोजित गतिविधियों में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। साथ ही सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं मुद्रित माध्यमों के जरिए व्यापक जनजागरण किया

जाए। विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति और प्रेरणा का भाव जागृत करने के लिए विद्यालय स्तर पर निबंध एवं वक्तृत्व प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उसकी जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सिनेमाघरों में भक्ति गीतों का प्रसारण, प्रत्येक जिले में होर्डिंग्स लगाकर कार्यक्रम का संदेश पहुँचाने पर भी उन्होंने जोर दिया।

मुख्य कार्यक्रम में महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों की सहज भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पार्किंग क्षेत्र से कार्यक्रम स्थल तक सुचारु परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश भी राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने दिए।

'हिंद दी चादर' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार

- जिलाधिकारी राहुल कर्डिले

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम वर्ष के अवसर पर नांदेड़ में 24 एवं 25 जनवरी 2026 को असरजन परिसर स्थित सार्वजनिक निर्माण विभाग के 52 एकड़ मैदान पर भव्य आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण सहित अनेक मंत्री, संत-महात्मा एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे, यह जानकारी जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने दी।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर युद्धस्तर पर कार्य जारी है और तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए स्वतंत्र पार्किंग व्यवस्था की गई है। मैदान के समीप दो भव्य टेंट सिटी स्थापित की गई हैं, जिनमें से एक टेंट सिटी में लगभग 14 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त शहर के मंगल कार्यालयों और विद्यालयों में भी आवास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन सभी व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, स्वयंसेवक व्यवस्था, विभिन्न प्रकार के निःशुल्क सेवा स्टॉल तथा व्यापक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अंतर्गत लगभग 50 हजार नेत्र जांच एवं विशेष कैंसर जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए विशाल लंगर व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ लगभग 10 लाख श्रद्धालु उठा सकेंगे। आवास, भोजन, परिवहन, स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य कर रहे हैं, ऐसा जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने बताया। कार्यक्रम के तहत अब तक किए गए तथा आगामी अवधि में प्रस्तावित प्रचार-प्रसार गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी इस अवसर पर दी गई।

'हिंद दी चादर' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार- जिलाधिकारी राहुल कर्डिले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नांदेड में 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के अवसर पर 24 एवं 25 जनवरी 2026 को असरजन क्षेत्र स्थित लोक निर्माण विभाग के 52 एकड़ मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण सहित अनेक मंत्री, संत एवं महंत उपस्थित रहेंगे, यह जानकारी जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने दी।

कार्यक्रम के अनुरूप मैदान में युद्धस्तर पर कार्य प्रगति पर है तथा तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए पृथक पार्किंग व्यवस्था की गई है तथा मैदान के निकट दो भव्य टेंट सिटी स्थापित की गई हैं। इनमें से एक टेंट सिटी में लगभग 14 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने की क्षमता है। इसके अतिरिक्त शहर के मंगल कार्यालयों एवं विद्यालयों में भी आवास की व्यवस्था की गई है। इन सभी सुविधाओं के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, ऐसा जिलाधिकारी ने बताया।

कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता व्यवस्था, स्वयंसेवक व्यवस्था, विभिन्न प्रकार के निःशुल्क सेवा केंद्रों के साथ-साथ व्यापक चिकित्सा सुविधाओं की योजना बनाई गई है। लगभग 50 हजार नेत्र परीक्षण तथा विशेष कैंसर जांच केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

श्रद्धालुओं के लिए भव्य लंगर की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ लगभग 10 लाख श्रद्धालु लेंगे। जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने बताया कि आवास, भोजन, परिवहन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के संबंध में सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम के संबंध में अब तक किए गए तथा भविष्य में किए जाने वाले प्रचार-प्रसार एवं जनजागृति से संबंधित कार्यों की जानकारी भी दी गई।

भाजपा मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन का हमला

बांग्लादेशी घुसपैठियों और पाक समर्थन से मुंबई का महापौर बैठाने का 'उबाठा' का सपना चकनाचूर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विकास, सुशासन और पारदर्शिता को प्राथमिकता देते हुए मतदाताओं ने महापालिका चुनावों में भाजपा-महायुति को स्पष्ट जनादेश दिया है। इसके बावजूद, अस्तित्व के भय से ग्रस्त संजय

राऊत अनावश्यक रूप से नगरसेवकों की तोड़फोड़ और महापौर कौन बनेगा, इस पर संदेह का माहौल बना रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा बार-बार यह स्पष्ट करने के बाद भी कि मुंबई का महापौर हिंदू और मराठी होगा, संजय राऊत सौदेबाज़ी की 'उबाठा' गुट की परंपरा को कायम रखे हुए हैं। यह तीखा प्रहार भारतीय जनता पार्टी के मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने मंगलवार को किया। वे भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में बोल रहे थे। बन ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों और पाक समर्थन के सहारे मुंबई का महापौर बैठाने का उबाठा गुट और विरोधियों का सपना अब धूल में मिल गया है।

बन ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा-महायुति महाराष्ट्र और मुंबई के विकास की गाड़ी को आगे बढ़ा रही है। दिल्ली में भाजपा-महायुति के कौन-कौन से नेता गए, इस पर ऊँचे स्वर में बोलने के बजाय राऊत को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि मुंबई महानगरपालिका में 25 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उबाठा गुट सबसे अधिक नगरसेवक क्यों नहीं चुन सका। भाजपा-महायुति के नेता यदि दिल्ली जाते हैं तो इसमें गलत क्या है, यह सवाल भी बन ने उठाया। सत्ता के लिए दिल्ली जाकर राहुल गांधी की चापलूसी करना और सोनिया गांधी के चरणों में पार्टी समर्पित करना, इन कृत्यों से उद्धव ठाकरे और राऊत ने राज्य का अपमान किया है।

वंदनीय बालासाहेब होते तो राऊत को लात मारी होती

वंदनीय बालासाहेब ठाकरे के विचारों, विरासत और हिंदुत्व से गद्दारी कर अजान प्रतियोगिता आयोजित करने तथा पत्राचाळ घोटाले जैसे मामलों पर बालासाहेब होते तो राऊत को लात मारते, ऐसे शब्दों में बन ने राऊत पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि वंदनीय बालासाहेब ठाकरे का नाम लेने का भी राऊत को कोई अधिकार नहीं है। उनके विचारों से विश्वासघात करने वालों को महाराष्ट्र के मतदाताओं ने महापालिका चुनावों में उनकी जगह दिखा दी है।

दावोस यात्रा से विदेशी निवेश आ रहा है तो राऊत को पेट दर्द क्यों?

दावोस में महापौर पद की चर्चा करने का कोई कारण नहीं है। महापालिका चुनावों में मतदाताओं ने भाजपा-महायुति की विकास नीति को स्पष्ट जनादेश देकर विजयी बनाया है। भाजपा कभी भी जीत का उन्माद नहीं करती। परिणाम घोषित होते ही मुख्यमंत्री दावोस रवाना हुए। महाराष्ट्र में अधिक से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाना ही उनका लक्ष्य है। यदि दावोस यात्रा से राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ रहा है, तो राऊत को पेट दर्द क्यों हो रहा है, यह व्यंग्यात्मक सवाल भी श्री. बन ने किया।

मेयर चुनाव पर सियासी संग्राम, संजय राउत ने भाजपा पर लगाए पार्षदों के फोन टेप के आरोप

मुंबई। मुंबई मेयर पद को लेकर चल रही रस्साकशी के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मंगलवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने और शिवसेना के नए चुने गए सदस्यों के फोन टैप कर रही है। इन सदस्यों को एक महंगे होटल में रखा गया है।

राउत ने लगाए आरोप

राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, भाजपा के पार्षदों पर उसी पार्टी के कार्यकर्ता नजर रख रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि होटल में बंद शिवसेना पार्षदों की जासूसी हो रही है। राउत ने आरोप लगाया कि मुंबई के मेयर का फैसला दिल्ली से हो रहा है, जो महाराष्ट्र का अपमान है। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर भी निशाना साधा।

राउत ने राज ठाकरे से की मुलाकात

मेयर चुनाव को लेकर सस्पेंस के बीच, राउत ने मंगलवार को मनसे प्रमुख राज ठाकरे से भी मुलाकात की। हाल ही में हुए बीएमसी चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने बहुमत हासिल किया है। इसमें भाजपा को 89 और शिवसेना

को 29 सीटें मिली हैं। इसके साथ ही बीएमसी पर ठाकरे परिवार का लंबा कब्जा खत्म हो गया है।

होटल में है 29 निर्वाचित सदस्य

शिवसेना (शिंदे गुट) ने अपने सभी 29 नए सदस्यों को मुंबई के एक होटल में भेज दिया है। बताया गया है कि यह काम सीखने के लिए एक वर्कशॉप है। शिंदे का कहना है कि अगला मेयर महायुति (भाजपा-शिवसेना गठबंधन) का ही होगा। उन्होंने बाल ठाकरे के सम्मान में शिवसेना का मेयर होने का संकेत भी दिया था।

भाजपा ने आरोपों को किया खारिज

वहीं राउत के इन सभी आरोपों को भाजपा के मीडिया प्रभारी नवनाथ बान ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अपने पार्षदों पर भरोसा है। इसलिए फोन टैपिंग की जरूरत नहीं है। उन्होंने उल्टा सवाल किया कि जब महा विकास अघाड़ी सरकार थी, तब एकनाथ शिंदे और उदय सामंत के फोन कौन टैप कर रहा था? उन्होंने कहा हम ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं हैं।

दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं के लिए नकल-मुक्त अभियान

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र (कक्षा बारहवीं) तथा माध्यमिक शाला प्रमाणपत्र (कक्षा दसवीं) की लिखित परीक्षाओं का आयोजन फरवरी से मार्च 2026 के दौरान किया जा रहा है। मंडल के मुंबई विभागीय सचिव ने जानकारी दी है कि इन परीक्षाओं के दौरान नकल-मुक्त अभियान लागू करने के लिए मंडल पूरी तरह तैयार है। कक्षा बारहवीं की लिखित परीक्षा 10 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक तथा कक्षा दसवीं की परीक्षा 20 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक आयोजित की जा रही है। शिक्षा मंडल द्वारा सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं मुख्याध्यापकों को इन परीक्षाओं में नकल-मुक्त अभियान को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक कक्षा में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए गए हैं। परीक्षा के लिए सतर्कता समिति का गठन किया गया है तथा उड़न दस्तों की नियुक्ति भी की गई है। मंडल द्वारा यह भी सूचित किया गया है कि विद्यार्थियों को भय-मुक्त वातावरण में परीक्षा देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें परीक्षा के दौरान क्या करना है और क्या नहीं करना है, इसकी स्पष्ट जानकारी दी गई है।

सम्पादकीय

आतंकवाद के खात्मे की राह में कई रोड़े, किश्तवाड़ हमले के बाद उठे कई सवाल

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि सात अन्य घायल हो गए। सवाल है कि आखिर कश्मीर घाटी और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? आतंकियों पर लगाम कसने के सरकार के दावों के बीच इस तरह के नापाक मंसूबे कैसे फलीभूत हो पा रहे हैं, इस पर नए सिरे से मंथन की जरूरत है।

यह बात छिपी नहीं है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें सीमा पार पाकिस्तान की जमीन में हैं। किश्तवाड़ जिले के सोननार क्षेत्र में जिन आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों के जवानों की मुठभेड़ हुई, उनके विदेशी मूल के होने और पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की बात कही जा रही है।

सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों की धर-पकड़ के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया था। घाटी में इस तरह के अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि कश्मीर में सुरक्षाबलों का सूचना तंत्र मजबूत है, लेकिन इस तरह की वारदात में किसी जवान का शहीद हो जाना दुखद और चिंताजनक है। ऐसे में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाना सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है।

केंद्र सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की बदौलत हाल के वर्षों में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। अगर यह सच है, तो फिर ज्यादातर वारदात में विदेशी आतंकियों का नाम सामने क्यों आता है? दावों और हकीकत के बीच के इस अंतर को समझने की जरूरत है। यह सवाल भी अहम है कि देश के भीतर सक्रिय आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद कहां से आ रहा है और उनके वित्त पोषण का स्रोत क्या है!

आतंकी तंत्र के लिए हवाला के जरिए पैसे भेजने की बात जगजाहिर हो चुकी है, लेकिन अब इसमें क्रिप्टो करंसी का नाम भी जुड़ गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने दावा किया है कि जांच में 'क्रिप्टो हवाला' तंत्र का पता चला है, जो जम्मू-कश्मीर में विदेशी धन का अवैध प्रवाह कर रहा है। जाहिर है कि इस तरह के वित्त पोषण से न केवल आतंकियों के लिए हमले का सामान जुटाया जाता है, बल्कि अलगाववादी तत्त्वों को सक्रिय करने में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षाबलों के लिए यह एक नई चुनौती है।

आतंकवाद का बढ़ता खतरा अब वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग से यह खतरा और भी व्यापक एवं भयावह होता जा रहा है। आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत भी शामिल है। हालांकि, हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी वारदात में संख्या की लिहाज से कमी आई है, लेकिन लक्षित हमलों को और ज्यादा भीषण बनाने के प्रयास बढ़े हैं। वर्ष 2016 में पठानकोट हमला, 2017 में अमरनाथ यात्रियों पर हमला, वर्ष 2019 में पुलवामा हमला और पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने की घटना इसका उदाहरण है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सीमा पार से घुसपैठ रोकने के साथ आतंकियों के वित्तपोषण के तंत्र को तोड़ने के लिए व्यापक एवं प्रभावी रणनीति तैयार की जाए।

अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच के विरुद्ध बन रहे नए समीकरण

अमेरिकी ट्रम्प प्रशासन द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति श्री निकोलस मदुरो को रात्रि के समय में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाया जाना एवं वेनेजुएला के तेल भंडार पर अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका का कब्जा स्थापित करने का प्रयास करना, अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच को ही दर्शाता है। साथ ही, इसी क्रम में डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। सोचनीय विषय है कि डेनमार्क नाटो का सदस्य देश होने के चलते वह अमेरिका का मित्र राष्ट्र है और मित्र राष्ट्र की सीमाओं में घुसकर उसके आधिपत्य वाले क्षेत्र को अमेरिका द्वारा बलपूर्वक अपने देश की सीमा में शामिल करने का प्रयास करना उचित कदम नहीं कहा जा सकता है। कुछ समय पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कनाडा के राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अमेरिका कनाडा को अपना 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। ध्यान रहे कनाडा भी अमेरिका के मित्र राष्ट्र के देशों की सूची में शामिल है। परंतु, जब अमेरिका जैसा देश साम्राज्यवादी सोच के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं, तो मित्र राष्ट्र का ध्यान भी नहीं रह पाता है।

अमेरिका द्वारा हाल ही में ब्रिक्स के सदस्य देशों (भारत, रूस, चीन एवं ब्राजील) पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की धमकी देना केवल अमेरिका की व्यापार नीति नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की सीधी कोशिश है। 500 प्रतिशत का यह टैरिफ रूस, चीन, ब्राजील और भारत पर नहीं बल्कि ब्रिक्स के सदस्य देशों द्वारा डीडोलराईजेशन की ओर अपने कदम बढ़ाने को रोकने का एक प्रयास है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में किए जाने वाले विदेश व्यापार का एक दूसरे को भुगतान अब स्थानीय मुद्रा में करते दिखाई दे रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा हैं। ब्रिक्स की मुद्रा व्यवस्था, स्थानीय मुद्रा व्यापार सम्बंध एवं डॉलर मुक्त भुगतान व्यवस्था अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही है। इसीलिए अमेरिका छोटे देशों की तरह ही बड़े देशों को भी अनुशासित करना चाहता है। परंतु, यहां अमेरिका यह भूल जाता है कि वेनेजुएला, डेनमार्क, क्यूबा, मेक्सिको आदि छोटे देश हैं जो अपनी जरूरतों के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं परंतु भारत, चीन, रूस एवं ब्राजील जैसे बड़े देशों पर अमेरिका का दबाव काम नहीं कर पाएगा। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान विदेश नीति को 20वीं सदी की 'हस्तक्षेपवाद.2' की नीति कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने विश्व के अन्य देशों में 400 बार हस्तक्षेप किया है। अमेरिका के लिए यह एक पैटर्न है आश्चर्य में डालने वाली घटना नहीं है। अमेरिका ने पूर्व में भी आर्थिक दबाव डालकर एवं सैन्य हस्तक्षेप के माध्यम से अन्य देशों में सत्ता परिवर्तन कराने में भी सफलता हासिल की है। और, यह पैटर्न आज भी जारी है। अमेरिका भारत एवं चीन पर केवल इस कारण से भी 500 प्रतिशत टैरिफ लगाना चाहता है क्योंकि ये देश रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल आयात करते हैं। आज के इस युग में अब अमेरिका निर्णय लेगा कि किस देश को कच्चा तेल किस देश से खरीदना है। यह साम्राज्यवाद अथवा अधिनायकवाद की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है?

इसी प्रकार, ट्रम्प प्रशासन द्वारा विश्व के 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अमेरिका की सदस्यता को समाप्त करना भी वैश्विक व्यवस्था का पुनर्निर्माण नहीं बल्कि अमेरिका का विश्व में एक छत्र राज्य स्थापित करने की सोच का नतीजा हो सकता है। अमेरिका

किसी भी अन्य ब्लाक अथवा देश के साथ मिलकर विश्व पर अपना प्रभुत्व स्थापित नहीं करना चाहता है बल्कि अमेरिका केवल अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। इस रणनीति के अंतर्गत वैश्विक संगठनों एवं संस्थाओं को कमजोर करने के एकपक्षीय अमेरिकी शक्ति मॉडल को लागू करना ही मुख्य लक्ष्य हो सकता है।

आज अमरीका में ट्रम्प प्रशासन इससे भी परेशान है कि आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिमी देशों से पूर्वी देशों की ओर खिसकता जा रहा है। इससे ट्रम्प को पूरे विश्व में अमेरिका का आधिपत्य स्थापित करने की रणनीति को धक्का लगता हुआ दिखाई दे रहा है। संख्या, जनसंख्या, संसाधन एवं बाजार के आधार पर आगे आने वाला भविष्य पूर्व के आस पास दिखाई देता है, अमेरिका वैश्विक स्तर पर अपने प्रभुत्व को किसी भी कीमत पर खोना नहीं चाहता है। अमेरिका आज नहीं चाहता कि चीन, रूस एवं भारत मिलकर विश्व में शक्ति की एक धुरी बनें। साथ ही, ट्रम्प यह भी नहीं चाहता कि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी रणनीतिक स्वायतत्ता बढ़ाने में सफल हो तथा डीडोलराईजेशन की व्यवस्था गति पकड़े और यूरोपीय यूनियन के देश अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए। यूरोपीय यूनियन के देशों पर अमेरिका अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। परंतु, अब तो यूरोपीय यूनियन के देश भी अपने सुरक्षा बजट में अतुलनीय वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिका पर इन देशों का विश्वास कम हो गया है। ट्रम्प चूंकि बहुध्रुवीय व्यवस्था में विश्वास नहीं करते है और यह व्यवस्था उनके लिए असहनीय है अतः ट्रम्प समस्त देशों पर टैरिफ युद्ध छेड़कर उन्हें दबाव में लाना चाहते हैं ताकि अमेरिका पूरे विश्व में अपना एक छत्र राज्य स्थापित कर सके। इसीलिए ट्रम्प आज पूरे विश्व में नियंत्रित अशांति चाहता है। दरअसल, आज अमेरिका की आक्रामक साम्राज्यवादी टैरिफ नीति भी वैश्विक अस्थिरता की सबसे बड़ी जड़ के रूप में उभर रही है।

इसी क्रम में, अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्यवाही कर ग्रीनलैंड पर अपना आधिपत्य स्थापित करने की कार्यवाही नाटो जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान को तोड़ सकती है। नाटो के सदस्य देशों ने स्पष्ट रूप से कहा भी है कि अमेरिका का ग्रीनलैंड पर हमला नाटो के सदस्य देशों पर किया गया हमला माना जाएगा। इससे यूरोपीयन देशों एवं अमेरिका के बीच दुर्लभ एवं खतरनाक तनाव दिखाई दे रहा है।

वैश्विक स्तर पर वर्तमान में उभर रही परिस्थितियों को सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है। इस सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध में कच्चे तेल की उपलब्धता पर अपना नियंत्रण बनाए रखना, डॉलर पर अमेरिकी प्रभाव को बनाए रखने के प्रयास ताकि वैश्विक स्तर पर अमेरिका का मुद्रा पर नियंत्रण लगातार आगे भी बना रहे, समुद्री मार्गों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना, तकनीकी सम्पदा को अपने कब्जे में रखना, वैश्विक सप्लाई चैन को प्रभावित करना एवं आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स आदि के माध्यम से ट्रम्प अन्य देशों पर दबाव बनाकर उन्हें अपने प्रभाव में लेने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसलिए आज प्रत्यक्ष युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संरचना को पुनर्गठित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस रचना में ट्रम्प अपने आप को वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। वास्तव में अमेरिका चाहता है कि दुनिया फिर से उसी मोड में लौट आए, जहां वित्त, व्यापार, सैन्य गठबंधन और तकनीक सब उसकी चौखट पर खड़े हों। आज अमेरिका का लक्ष्य सम्भवतः तीसरा विश्व युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक व्यवस्था को अमेरिका के प्रभुत्व में पुनर्गठित करना है।

अमेरिका का 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने आप को अलग करने के क्रम में अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस से बाहर निकलना पूरे विश्व को स्पष्ट संदेश देता है कि अमेरिका की अब पर्यावरण के क्षेत्र में किए जाने वाले सुधार कार्यक्रमों में भी कोई दिलचस्पी नहीं है तथा वह इस अलायंस को दी जाने वाली अमेरिकी मदद को रोकना चाहता है और वैश्विक स्तर पर केवल अपने प्रभाव को बढ़ाने में ही अपनी पूरी शक्ति लगाना चाहता है। विश्व के भले की बात भी अब अमेरिका को नागवार गुजर रही है। जबकि आज जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक संकट को कम करने अथवा दूर करने में समस्त देशों का आपसी सहयोग अति आवश्यक है। भारत एवं फ्रान्स के संयुक्त नेतृत्व में बनाया गया यह मंच विकासशील देशों के लिए उम्मीद की किरण बन रहा है।

विश्व के अन्य देशों में यह भावना विकसित हो रही है कि आज वैश्विक स्तर पर एक ऐसी दुनिया विकसित होती दिखाई दे रही है जिसमें अमेरिका अकेला खड़ा हो एवं विश्व के अन्य समस्त देश आपस में तालमेल रखते हुए अपने विकास को गति दें। वैसे भी, विश्व पहिले से ही इस मुहाने पर आकार खड़ा है जहां अकेले चलना बहुत मुश्किल है हर पग पर विभिन्न देशों को अन्य देशों के सहायता की अति आवश्यकता है। एक दूसरे के सहयोग के बिना सम्भवतः कोई भी देश आज आर्थिक विकास के पथ पर अपनी दौड़ को गति प्रदान नहीं कर पाएगा। इसीलिए वैश्विक स्तर पर आज नए नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका को छोड़कर ये देश आपस में मुक्त व्यापार समझौते तेजी से सम्पन्न कर रहे हैं ताकि ये, अपने देश के आर्थिक विकास की गति को तेज कर सकें।

महाराष्ट्र के शहरी मतदाताओं ने आखिरकार पुराने धुरंधरों की हवा क्यों निकाल दी?

महाराष्ट्र में हुए नगरपालिका चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा व्यापक प्रदर्शन किया है जिसने दशकों से मजबूत माने जाने वाले राजनीतिक नामों और परिवारों की पकड़ को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक भाजपा की जीत ने यह संकेत दे दिया है कि मतदाता अब परंपरागत पहचान से अधिक शासन और विकास के मुद्दों को महत्व दे रहे हैं।

इन चुनावों में सबसे अधिक चर्चा बृहन्मुंबई महानगरपालिका को लेकर रही। यह नगर निकाय न केवल देश का सबसे बड़ा नगर निकाय है बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति का भी केंद्र माना जाता है। लंबे समय से यहां ठाकरे परिवार के नेतृत्व वाली राजनीति का दबदबा रहा है। लेकिन इस बार के नतीजों में भाजपा ने मजबूत बढ़त बनाकर यह स्पष्ट कर दिया कि मुंबई की राजनीतिक हवा बदल रही है। भाजपा की यह सफलता केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं रही बल्कि उसने मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल की है।

मुंबई के अलावा पुणे और पिंपरी चिंचवड़ जैसे शहरों में भी भाजपा का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। ये क्षेत्र पारंपरिक रूप से पवार परिवार के प्रभाव वाले माने जाते रहे हैं। यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगियों का लंबे समय तक नियंत्रण रहा है। लेकिन इस चुनाव में भाजपा ने इन गढ़ों में सेंध लगाकर यह साबित कर दिया कि उसका संगठनात्मक विस्तार और जमीनी रणनीति अब पूरे राज्य में असर दिखा रही है।

नागपुर, नाशिक और अन्य प्रमुख नगर निकायों में भी भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने स्पष्ट बहुमत या मजबूत स्थिति हासिल की है। इन नतीजों से यह संकेत मिलता है कि शहरी मतदाता भाजपा के विकास आधारित प्रचार और नेतृत्व से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता और डिजिटल सेवाओं जैसे मुद्दे चुनाव के दौरान प्रमुखता से उठे और मतदाताओं ने इन्हीं आधारों पर मतदान किया।

चुनाव परिणाम आने के बाद सत्तारुढ़ दल की ओर से इसे जनता का विश्वास बताया गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह जीत सुशासन, पारदर्शिता और विकास कार्यों पर जनता की मुहर है। महायुति के नेताओं ने कहा कि शहरी मतदाता अब जाति या परिवार आधारित राजनीति से आगे बढ़कर परिणाम आधारित राजनीति को तरजीह दे रहा है।

वहीं विपक्षी दलों के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय बन गया है। ठाकरे और पवार नाम जो कभी महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे मजबूत ब्रांड माने जाते थे, वह इस चुनाव में अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखा सके। कई स्थानों पर उनकी पार्टियों को न केवल सीटों का नुकसान हुआ बल्कि कार्यकर्ताओं का मनोबल भी प्रभावित हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति केवल एक चुनावी हार नहीं है बल्कि बदलते सामाजिक और राजनीतिक रुझानों का संकेत है।

विशेषज्ञों के अनुसार भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में शहरी क्षेत्रों में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत किया है। नए मतदाताओं, युवा वर्ग और मध्यम वर्ग को लक्षित कर पार्टी ने योजनाबद्ध तरीके से प्रचार किया। सोशल मीडिया माध्यमों से स्थानीय मुद्दों को उठाया गया और जमीनी संपर्क के जरिए पार्टी ने अपनी उपस्थिति को मजबूत किया। इसका सीधा असर चुनाव नतीजों में देखने को मिला है।

वहीं पवार परिवार के प्रभाव वाले क्षेत्रों में हालांकि कुछ जगहों पर विपक्ष ने सम्मानजनक प्रदर्शन किया लेकिन कुल मिलाकर उनकी पकड़ कमजोर पडती दिखी। पुणे और आसपास के क्षेत्रों में जो कभी उनका मजबूत आधार माने जाते थे वहां भी मतदाताओं का रुझान बदलता नजर आया। यह बदलाव बताता है कि स्थानीय मुद्दों पर सक्रियता और निरंतर संपर्क अब चुनाव जीतने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए यह परिणाम एक संकेत के रूप में देखे जाएंगे। भाजपा के लिए यह जीत आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है जबकि विपक्ष के लिए यह चेतावनी है कि यदि रणनीति और नेतृत्व में बदलाव नहीं किया गया तो भविष्य की राह और कठिन हो सकती है।

कुल मिलाकर महाराष्ट्र नगरपालिका चुनाव 2026 ने राज्य की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत का संकेत दिया है। यह चुनाव केवल नगर निकायों के गठन तक सीमित नहीं रहा बल्कि इसने यह दिखा दिया कि महाराष्ट्र का शहरी मतदाता अब अधिक सजग और मांग करने वाला हो गया है। विकास सुशासन और स्थिर नेतृत्व जैसे मुद्दे अब राजनीति के केंद्र में आ चुके हैं और इन्हीं के आधार पर आने वाले वर्षों की राजनीति की दिशा तय होती नजर आ रही है।

देखा जाये तो महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव राज्य की राजनीति के बदलते चरित्र का स्पष्ट संकेत भी हैं। इन नतीजों ने यह सवाल सामने खड़ा कर दिया है कि क्या परंपरागत राजनीतिक पहचान और पारिवारिक प्रभाव अब शहरी राजनीति में अपना असर खोते जा रहे हैं। चुनाव परिणामों से यही प्रतीत होता है कि मतदाता अब नाम नहीं बल्कि काम को प्राथमिकता देने लगे हैं।

शहरी क्षेत्रों में रहने वाला मतदाता आज अधिक सजग है। वह सड़क, पानी, सफाई, परिवहन और डिजिटल सेवाओं जैसे रोजमर्रा के मुद्दों पर सीधा जवाब चाहता है। ऐसे में जो दल इन विषयों पर स्पष्ट योजना और क्रियान्वयन की बात करता है उसे स्वाभाविक रूप से लाभ मिलता है। इस चुनाव में यही रुझान साफ दिखाई दिया। मतदाताओं ने भावनात्मक अपील से अधिक प्रशासनिक क्षमता को महत्व दिया।

विपक्षी दलों के लिए यह समय आत्ममंथन का है। लंबे समय तक जिन नामों और विरासतों के सहारे राजनीति चलती रही अब वे अकेले जीत की गारंटी नहीं रहे। संगठन की कमजोरी, जमीनी संपर्क की कमी और बदलते मतदाता वर्ग को न समझ पाना इन दलों के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरा है।

444 दिन तक सुपर पावर को घुटनों पर ला खड़ा किया, जब ईरान ने दुनिया को दिखाई अपनी जुर्रत

4 नवंबर 1979 अमेरिका के विदेश मंत्रालय में टेलीफोन की घंटी बजती है। फोन ईरान के अमेरिकी दूतावास से था और कॉल पर ऑफिसर एलिजाबेथ स्विफ्ट थी। एक ही सांस में उन्होंने कहना शुरू किया कि ईरानियों ने हमला कर दिया है। भीड़ दीवार फांद कर अंदर घुस रही है। दूतावास पर कभी भी कब्जा हो सकता है। स्विफ्ट अभी फोन पर ही थी, तभी ईरानियों ने दूतावास की पहली मंजिल में आग लगा दी। सभी कर्मचारी बाहर की तरफ भागे। दूतावास के स्टाफ को मेन गेट खोलना पड़ा। फोन कटने से पहले स्विफ्ट के आखिरी शब्द थे- वी आर गोइंग। डाउन दूतावास तबाह होने वाला था। अगले कुछ मिनटों में अमेरिकी डिप्लोमेट्स और कर्मचारियों को बंधक बना लिया गया। उनकी आँख पर पट्टी बांध दी गई। ना उन्हें कुछ देखने की इजाजत थी ना ही कुछ बोलने की। यह खबर जैसे ही अमेरिका तक पहुंची पूरी सरकारी मशीनरी सक्रिय हो गई। राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर पल-पल की खबर ले रहे थे। कुछ देर बाद अचानक उनकी नजर टीवी स्क्रीन पर पड़ी जो नजारा दिखा उसने दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी। तेहरान में अमेरिकी नागरिकों, राजदूतों और कर्मचारियों को परेड कर ले जाया जा रहा था। पीछे भीड़ उनकी मौत के नारे लगा रही थी। पूरी दुनिया यह नजारा देख रही थी, सुपर पावर अमेरिका को ईरान ने घुटनों पर ला दिया था।

1953 से ईरान में तेल की खोज हुए लगभग आधी सदी बीत चुकी थी सा खेल तेल का ही था तेल जिसे देख अमेरिका और ब्रिटेन की लार टपक रही थी दुनिया भर में इन दो देशों की रंगबाजी उस वक्त भी टाइट थी जल्द ही इन पेट्रोलियम भंडारों पर अमेरिका और इंग्लैंड की कंपनियों का कब्जा हो गया फिर 1951 में ईरान में हुए इलेक्शन प्रधानमंत्री बने मोहम्मद मोसादेक की पढ़ाई भले ही यूरोप में हुई थी लेकिन इंसान वो राष्ट्रवादी सोच के थे लंबे वक्त से तेल इंडस्ट्री पर अमेरिका का कब्जा था जिसकी वजह से से ईरान को हो रहा था नुकसान मोसादेक ने प्रधानमंत्री बनते ही सबसे पहले तेल इंडस्ट्री के राष्ट्रीयकरण का ऐलान कर दिया। मतलब यह कि तेल इंडस्ट्री पर ईरानी सरकार का कंट्रोल हो गया। मोसादेक का यह फैसला अमेरिका और इंग्लैंड को कांटे की तरह चुभने लगा। जब दाल गलने बंद हुई तो अमेरिका ने इंग्लैंड के साथ मिलकर रच डाली एक साजिश अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए और ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई6 ने अपने रास्ते के कांटे मोसादेक को हटाने की योजना बनाई।

मोसादेक के खिलाफ ईरान में बगावत भड़का कर तख्ता पलट करवाना था और उनकी जगह पर बिठाना था एक ऐसा शख्स जो अमेरिका और इंग्लैंड की कठपुतली हो साथ ही दोनों देशों की जेब का भी ध्यान रखें। मोसादेक के खिलाफ हवा चलने लगी। सन 1953 में एक रात उन्हें घर से गिरफ्तार कर लिया गया। मूसादेक पर मुकदमा चला उन्हें जीवन भर के लिए अपने घर पर नजर बंद कर दिया गया। मोसादेक का तख्ता पलट हो चुका था। तख्ता पलट के बाद अगस्त 1953 में ईरान की गद्दी पर बैठे मोहम्मद रजा शाह पहलवी शाह पूरी तरह से अमेरिका और इंग्लैंड की कठपुतली साबित हुए लाखों डॉलर विदेशी सहायता के बदले उन्होंने फिर से ईरान की तेल इंडस्ट्री दोनों देशों को सौंप दी। ईरान के करीब 80 फीदी तेल भंडार पर अमेरिका और ब्रिटेन का दोबारा कब्जा हो गया।

1 अप्रैल 1979 को ईरान को एक इस्लामिक रिपब्लिक घोषित कर दिया गया। लेकिन खुमैनी का बदला अभी पूरा नहीं हुआ था वह शाह पहलवी को सबक सिखाना चाहते थे साथ ही अमेरिका को भी अब अमेरिका को क्यों क्योंकि शाह कैंसर का इलाज कराने के बहाने ईरान से भागकर अमेरिका चले गए थे उस वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति थे जिमी कार्टर ईरान ने अमेरिका से शाह को लौटाने के लिए कहा लेकिन अमेरिका ने ऐसा

करने से मना कर दिया क्रांति के बाद दोनों देशों के बीच डिप्लोमेटिक रिलेशंस खत्म हो चुके थे पर खुमैनी को बदला लेना ही था। 4 नवंबर 1979 को वह दिन भी आ गया सुबह-सुबह एक भीड़ अमेरिकी दूतावास की तरफ बढ़ने लगी। यह प्रदर्शनकारियों की भीड़ थी। इस भीड़ को खुमैनी का मौन समर्थन प्राप्त था। देखते ही देखते सभी डिप्लोमेट्स और कर्मचारियों को बंदी बना लिया गया जो संख्या में 66 थे।

दोनों खेमें अपनी-अपनी रणनीति बना रहे थे कि तभी फिल्मी स्टाइल में एक ऑपरेशन को अंजाम दिया गया जिन दिनों ईरान में यह हॉस्टेस क्राइसिस चल रहा था उन्हीं दिनों कनाडा से एक फिल्म क्रू ईरान में शूटिंग के लिए आया हुआ था वह लोग स्टार वस की तर्ज पर एक फिल्म बना रहे थे जिसके कुछ सींस की शूटिंग तेहरान में होनी थी। क्रू कुछ दिन ईरान में रुककर वापस चला गया दो महीने बाद ईरान को पता चला कि असल में उनके साथ तो खेल हो गया है फिल्म के नाम पर छह अमेरिकी ईरान से भाग निकले। इस ऑपरेशन की सफलता के बावजूद 52 अमेरिकी नागरिक अभी भी ईरान में फंसे हुए थे। इन्हें छुड़ाने के लिए प्रेसिडेंट जिमी कार्टर ने सारे दांव पेज खेल डाले लेकिन ईरान टस से मस नहीं हुआ अमेरिका ने तेल की इंपोर्ट पर रोक लगा दी। अमेरिका में ईरान के सारे 183 डिप्लोमेट्स को हटा दिया गया। अमेरिका ने जब सैन्य कारवाई की धमकी दी तो ईरान ने पलटकर खुद चेतावनी दे डाली कि अगर ऐसा किया तो सभी बंधकों को अमेरिकी दूतावास में आग लगाकर मार डालेंगे। 1980 में जिमी कार्टर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव हार गए और रोनाल्ड रेगन नए राष्ट्रपति बने अमेरिका ने इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस का दरवाजा खटखटाया 24 मई 1980 को कोर्ट ने कहा कि ईरान बंधकों को रिहा करें बदले में अमेरिका भी ईरान की जब्त की गई संपत्ति को वापस लौटाए। 1980 को खुमैनी ने कुछ शर्तों के साथ बंधकों की रिहाई कबूल की अब उनकी शर्तें थी पहली अमेरिका शाह की सारी संपत्ति ईरान को लौटाए दूसरी ईरान पर वह किसी भी तरह का दावा नहीं करेगा तीसरी अमेरिका में जब्त की गई ईरान की संपत्ति वापस की जाएगी और चौथी अमेरिका ईरान में किसी भी तरह का हस्तक्षेप ना करने की गारंटी देगा। खुमैनी की शर्तों को मानने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया और 20 जनवरी 1981 को अमेरिकी बंधकों को ईरान ने छोड़ दिया इस तरह पूरे 444 दिन चलने के बाद ईरान हॉस्टेस क्राइसिस खत्म हुआ। ईरान अमेरिका रिलेशन के इतिहास में यह घटना बहुत मायने रखती है इस घटना के बाद ईरान अमेरिका का दुश्मन बन गया।

ईरान पिछले करीब 2025 दिन से उबल रहा है। देश के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली हुसैनी खमेई के खिलाफ लाखों लोग सड़क पर हैं। हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। ट्रंप भी दखल दे चुके हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के बाद मेक ईरान ग्रेट अगेन की बात करते हुए अमेरिका प्रदर्शनकारियों के साथ आ गया है। खुद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पर शेखियान प्रदर्शनकारियों के समर्थन में बयान दे रहे हैं। इसके बावजूद ईरान में कोई तख्ता पलट नहीं हो पाया है और अभी दूर-दूर तक इसके आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। तो सवाल है कि क्यों? आखिर ईरान में अयातुल्लाह अली खमेई के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन इतना घातक क्यों नहीं हो पा रहा कि खामनेई को झुकना पड़े।

साल 2024 की शुरुआत से ही ईरान के लोग बढ़ती महंगाई, रियाल की गिरती कीमतें, बिजली और गैस की बाधित होती सप्लाई से परेशान होना शुरू हो गए थे। पानी की भी किल्लत हो गई थी। जिसने लोगों का जीना मुहाल कर दिया था। बची खुची कसर अमेरिका और ईरान के झगड़े के दौरान पूरी हो गई जब अमेरिकी हमले में ईरान का न्यूक्लियर प्लांट तबाह हो गया और फिर सितंबर 2025 में वो हो गया जिसका ईरान को कभी अंदाजा भी नहीं था। सितंबर 2025 में ईरान पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वह सभी पुराने प्रतिबंध फिर से लागू कर दिए जिन्हें साल 2015 में ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस ने पूरी तरह से हटा दिया। दिसंबर के शुरुआत होते-होते ईरान की मुद्रा रियाल ऐतिहासिक तौर पर नीचे चली गई। इसके बाद तो ईरान आर्थिक तौर पर ऐसा कमजोर हुआ कि वहां के लोग ही सड़क पर उतर आए। इसकी शुरुआत हुई 28 दिसंबर 2025 को ईरान की राजधानी तेहरान से जहां दुकानदारों ने ग्रैंड बाजार में प्रदर्शन शुरू किया और इसे शुरू किया ईरान के बाहर से आए इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने वाले दुकानदारों ने जिन्हें गिरते हुए रियाल की कीमत की वजह से बेहद महंगे दाम पर सामान खरीदना पड़ा। ऐसे में उन्होंने दुकानें बंद कर दी। हड़ताल शुरू की और दूसरे लोगों को भी इस प्रदर्शन में शामिल होने को कहा। फिर तो आंदोलन यूनिवर्सिटी तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआत में यह प्रदर्शन बेहद छोटे स्तर के थे। इसमें सरकार विरोधी नारों के बीच एक और नारा उछलना शुरू हुआ। नीदर गाज़ा नॉर लेबनान माय लाइफ और ईरान। नारा इसलिए उछला था क्योंकि इजराइल और गजा के बीच चल रहे संघर्ष में ईरान ने खुद को भी शामिल कर लिया था।

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज की कथा का समापन आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज की भागवद कथा का समापन बुधवार को ओल्ड जीटी रोड पर लगे चरखी दादरी आश्रम में होगा। स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने कथा में आज भगवान श्रीकृष्ण, रूक्मणि विवाह हुआ, जहां सभी देवी, देवताओं ने पुष्प वर्षा करते हुए मंगलगीत गये। इस दौरान कथा के मुख्य यजमान पूर्व टीटीई बैजनाथ मिश्रा और धर्मपत्नी सुनीता मिश्रा और बडी संख्या में शिष्यों ने भगवान श्रीकृष्ण और रूक्मणी का पावपुजाई की। पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने बताया कि बुधवार को कथा का समापन होगा जिसमे सुदामा चरित, रूक्मणि परिहास, नव योगेश्वर की कथा, भगवान श्रीकृष्ण का स्वधाम गमन, शुकदेव का अंतर्ध्यान होना और राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा होगी।

विशेष पुनरीक्षण अभियान मामला

लापरवाही पर दो कर्मचारियों का निलंबन पांच कार्मिकों का मानदेय रोका गया, मचा हड़कंप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए व्यापक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन करने एवं अपमार्जन के लिए फॉर्म 6, 7 और 8 भरे गए। विधानसभा क्षेत्र संख्या 254 फाफामऊ के अंतर्गत कुल 207 मतदान केंद्रों एवं 405 बूथों पर बीएलओ द्वारा कार्य किया गया।

अभियान की निगरानी स्वयं ईआरओ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हीरालाल सैनी ने की। निरीक्षण के दौरान कई मतदान केंद्रों पर गंभीर लापरवाही सामने आई। पूर्व माध्यमिक विद्यालय हथीगहा की प्रअ फरहत परवीन

तथा प्राथमिक विद्यालय टिकरी के प्र अ मोहम्मद अजमल अंसारी द्वारा निर्धारित समय पर विद्यालय न खोले जाने की पुष्टि हुई। निर्वाचन कार्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्व में इस प्रकार की लापरवाही को गंभीर मानते हुए दोनों कर्मचारी के विरुद्ध निलंबन की संस्तुति की गई है।इसके अतिरिक्त सरस्वती देवी परमानंद इंटर कॉलेज कौड़िहार में तैनात फूलचंद पटेल, पूर्व माध्यमिक विद्यालय अंटरामपुर की मंजुला भारतीया, प्राथमिक विद्यालय सराय गोपाल, प्राथमिक विद्यालय पटना उपहार में तैनात मिथिलेश, आशा त्रिपाठी एवं रीना राय निरीक्षण के समय अनुपस्थित पाए गए। इन सभी की लापरवाही पर उनके मानदेय पर रोक लगाए जाने की संस्तुति की गई है।

विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 6925 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें फॉर्म 6 के अंतर्गत 5672 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के आवेदन, फॉर्म 7 के तहत 34 नाम अपमार्जन के आवेदन तथा फॉर्म 8 के अंतर्गत 1219 नाम संशोधन के आवेदन शामिल हैं। ईआरओ हीरालाल सैनी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार कीलापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। आगे भी विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान सघन निरीक्षण जारी रहेगा

प्रयागराज विकास प्रधिकरण की नजूल भूमि हुआ अतिक्रमण मुक्त

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा रॉयल होटल, नवाब यूसुफ रोड के बगल बने नजूल भूमि अवैध अतिक्रण पर नगर निगम के सहयोग से सम्पूर्ण दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्व में ही इन अवैध दुकानों को स्वतः हटाये जाने का नोटिस दिया गया था। इसके उपरान्त भी इन दुकानदारों द्वारा अवैध अतिक्रमण को नही हटाया गया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा उक्त नजूल भूमि पर अतिक्रमण हटाये जाने के लिए नगर निगम से सहयोग मॉगा था जिसके क्रम में आज नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरविन्द राय एवं अतिक्रमण दस्ता के साथ अभियान चलाते हुए सम्पूर्ण अवैध दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया, साथ ही सम्बन्धित क्षेत्र के थाने में पुनः अतिक्रमण न किये जाने हेतु सूचना दे दी गयी। उक्त अभियान में नगर निगम अतिक्रमण दस्ता के साथ अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार राय, अतिक्रण प्रभारी कर्नल दिनेश तनवर स्थानीय पुलिस बल के अलावां प्रयागराज विकास प्राधिकारण अवर अभियन्तागण उपस्थित रहे।

सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, साईं तेजा ने सुनी फरियाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर आयुक्त आईएएस सीलम साईं तेजा ने आज दिनांक 20 जनवरी 2026 मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान शिकायत ले कर आये हुए फरियादियों की शिकायतो को सुना गया। इस जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतें अतिक्रमण, नामान्त्रण, जन्म प्रमाण पत्र संशोधन, नाला-नाली मरम्म्त, सड़क गली मरम्मत, सीवर, पेयजल आदि की शिकायत प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान तेजा ने आम नागरिकों की समस्याएं न केवल ध्यानपूर्वक सुनीं, बल्कि तत्काल समाधान के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में आई शिकायतें पेयजल तथा सड़क-नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहीं। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की साफ-सफाई तथा जाम नालियों की शिकायत पर तत्काल नगर आयुक्त द्वारा कार्यवाही करवाते हुए शिकायत का निस्तारण का निर्देश दिए। जोनल कार्यालय के सभी पार्षदगणें के साथ नगर आयुक्त द्वारा बैठक की गयी इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल तथा शेड आदि की व्यवस्थाओं पर सुझाव लिए गये। प्रयागराज के वी0आई0पी0क्षेत्र में क्यूआरटी0 टीम की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया जिससे साफ-साफई मार्गप्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण किया जा सके। जन सुनवाई के दौरान बैठक में अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार रॉय, मुख्य कर अधिकारी पीके द्विवेदी, महाप्रबन्धक गौरव कुमार, नगर व्यवस्था अधिकारी, मुख्य अभियन्ता सिविल तथा विद्युत, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत, पशु कल्याण विभाग , जलकल विभाग, सहित समस्त जोनल अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संत-महात्मा पहुंच रहे एक-दूसरे के शिविर, लें रहे कुशलक्षेम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला में देश के कोने - कोने से शिविर लगाकर कल्पवास करने संत, महात्मा अब एक, दूसरे के शिविर में जाकर कुशलक्षेम पूछ रहे है। इससे भी सनातन की शाखाएं मजबूत हो रही है। मंगलवार को प्रयागराज के धर्मगुरू स्वामी रंजीत मिश्रा महावीर मार्ग पर लगे जगदगुरू स्वामी संतोषाचार्य महराज सतुआ बाबा के शिविर पहुंचे। धर्मगुरू स्वामी रंजीत मिश्रा ने जगदगुरु स्वामी संतोषाचार्य महराज सतुआ बाबा, स्वामी भैरवनाथ महराज सहित अन्य संतों से भेटकर कुशलक्षेम जाना और अंगवस्त्रम भेट कर सम्मानित किया। इसी प्रकार से धर्मगुरू रंजीत मिश्रा अन्य प्रमुख सतों के शिविर में गये और उनका कुशलक्षेम पूछते हुए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयागराज की परंपरा रही है जो चली आ रही है, सभी लोग उसी का पालन करते है।

किन्नर अखाडा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने बडी संख्या में शिष्यों सहित किया गंगा पूजन, अर्चन

भटके किन्नरों को अखाडे से जोडना है : स्वामी कल्याणीनंद गिरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाडा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने आज बडी संख्या में शिष्यों के साथ मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती, भगवान वेणी माधव और तीर्थराज का पूजन अर्चन किया। उन्होंने देश के खुशहाली, लोगों के उन्नति, सभी के चतुर्दिक विकास और सभी के विकास की मंगल कामना किया है।

किन्नर अखाडा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने कहा कि सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए बडी संख्या मे लोगो को इससे जोडना है। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध तरीके से कार्यक्रम करके भटके हुए किन्नरों को किन्नर अखाडे से जोडना है जिससे कि किन्नर अखाडा को और मजबूती मिलेगी और उनको नयी दिशा भी मिलेगी। उन्होने कहा कि किन्नर अखाडा का विस्तार देश और विदेश में तेजी से चल रहा है।

किन्नर अखाडा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर

स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने कहा कि हमारी युवा पीढी सनातन धर्म से जहा विमुख है और उससे जुड नही रही है उनको सनातन धर्म से जोडते हुए उसको आगे बढाना है जिससे कि आदि अनादिकाल से चला आ रहा सनातन धर्म आगे ही बढता रहे और बडी संख्या में लोग उससे जुड कर लाभान्वित हो सके। किन्नर अखाडा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने कहा कि आज सनातन धर्म सभी के निशाने पर है चाहे वह इस्लाम हो या ईसाई हो या अन्य लोग इसके बावजूद सनातन धर्म लोगों को जोडते हुए प्रगति के पथ पर है जो सभी को जोडते हुए आगे बढ रहा है जिससे सनातन धर्म आगे बढ रहा है जिसका लाभ हिन्दू समाज को मिल रहा है।

परमार्थ निकेतन में मेदांता गुड़गांव के विख्यात चिकित्सों के मार्गदर्शन में दो दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन

हृदय रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन के मार्गदर्शन में बीएमडी, ईसीजी, पीएफटी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर और दवाईयां निःशुल्क

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन ने सेवा, करुणा और समर्पण की जीवंत मिसाल प्रस्तुत करते हुए मेदांता गुड़गांव के विख्यात चिकित्सकों के मार्गदर्शन में दो दिवसीय मल्टीस्पेशलिस्ट चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। प्रथम दिन बुखण्डी, विध्यवासिनी मन्दिर और दूसरे दिन स्वामी शुकदेवानन्द चेरिटेबल हास्पिटल में मल्टीस्पेशलिस्ट कैम्प का आयोजन किया गया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के आशीर्वाद से पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं समय-समय पर उपलब्ध करायी जा रही है।

परमार्थ निकेतन में सोमवार से शनिवार तक मेदांता गुड़गांव की ओपीडी नियमित रूप से संचालित की जा रही है, जिससे स्थानीय नागरिकों एवं तीर्थयात्रियों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं सुलभ रूप से प्राप्त हो रही हैं। डॉ. विवेक सभरवाल, एमबीबीएस, डीएनबी, पीजीडीसीईडी (यूके) कंसल्टेंट इंटरनल मेडिसीन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन एवं अन्य अनुभवी चिकित्सकों द्वारा बीएमडी, ईसीजी, पीएफटी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर जैसी महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की गईं। साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं। इस शिविर से सैकड़ों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएं, युवा एवं ग्रामीण क्षेत्र के निवासी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने मेदांता गुड़गांव के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन एवं उनकी पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा,

'पर्वतीय क्षेत्रों में आज भी बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की अत्यंत आवश्यकता है। जब तक स्वास्थ्य सुरक्षित नहीं होगा, तब तक जीवन भी संतुलित नहीं रह सकता। मेदांता जैसी विश्वसनीय संस्था का परमार्थ निकेतन के साथ जुड़कर सेवा के इस यज्ञ में सहभागी बनना वास्तव में मानवता के लिए वरदान है।'

स्वामी जी ने कहा कि चिकित्सा शिविर करुणा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पहाड़ों का जीवन कठिन है, जहां आज भी अनेक लोग आधुनिक चिकित्सा से वंचित हैं। ऐसे में इस प्रकार के शिविर पहाड़ी समाज के लिए संजीवनी का कार्य करते हैं।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि 'स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। जब चिकित्सा सेवा आध्यात्मिक करुणा के साथ जुड़ती है, तब वह केवल उपचार नहीं करती, बल्कि जीवन को नया संबल देती है।'

इस शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु पुनिया, जनरल फिजिशियन डॉ. विवेक सभरवाल, टीम मैनेजर जितेन्द्र वर्मा सहित मेदांता गुड़गांव की पूरी टीम ने अत्यंत समर्पण भाव से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उनकी विशेषज्ञता, संवेदनशीलता और सेवा भावना ने मरीजों के चेहरों पर मुस्कान और मन में आशा का संचार किया। परमार्थ निकेतन एवं स्वामी शुकदेवानन्द चैरिटेबल हॉस्पिटल की टीम ने भी शिविर के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पंजीकरण से लेकर जांच, दवा वितरण और मार्गदर्शन तक, हर स्तर पर सुव्यवस्थित और अनुशासित व्यवस्थायें रही। परमार्थ निकेतन द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सेवा प्रकल्प आयोजित किये जाता हैं, सभी से आग्रह है कि इन सेवाओं का अधिकाधिक लाभ लें और स्वस्थ रहें।

जगद्धात्री में नकली शादी के ट्विस्ट पर बोले फरमान हैदर इसके पीछे का दर्द बिल्कुल असली है

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का पॉपुलर फिक्शन शो जगद्धात्री अपनी दिलचस्प कहानी, जज़्बाती गहराई और लीड जोड़ी की शानदार केमिस्ट्री के चलते दर्शकों को लगातार जोड़े हुए है शिवाय (फरमान हैदर) और जगद्धात्री (सोनाक्षी बत्रा) की ऑनस्क्रीन बॉन्डिंग शो की बड़ी ताकत बन चुकी है और यही वजह है कि हर नया मोड़ दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ा देता है। फिलहाल शो की कहानी एक बड़े मोड़ पर पहुंच गई है, जहां शिवाय और जगद्धात्री की शादी हो जाती है। लेकिन इस शादी के साथ एक बड़ा ट्विस्ट भी सामने आता है, क्योंकि ये शादी फेक है, और इसके पीछे एक खास मकसद छुपा है। दोनों देशमुख हाउस में एंट्री लेते हैं ताकि जगद्धात्री की मां की मौत के पीछे की सच्चाई पता चल सके। साथ ही दोनों ये भी साबित करना चाहते हैं कि महेश देशमुख ही शिवाय के असली पिता हैं। महेश देशमुख और शिवाय के रिश्ते का सच सामने आते ही माया हैरान है और उसने जगद्धात्री और शिवाय को ये साबित करने के लिए एक महीने का वक्त दे दिया है।

11 कप चाय से शुरू अन्न क्षेत्र अब हजारों का बना सहारा

कल्पवास करते हुए अन्नदान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति : स्वामी शंकराश्रम

माघ मेला के ओल्ड जीटी रोड पर लगा है पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज का शिविर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर - 6 ओल्ड जीटी रोड पर हरियाणा के करनाल, घरौडा आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज का शिविर लगा हुआ है। स्वामी शंकराश्रम महराज आज से 35 वर्ष पूर्व माघ मेला में आना शुरू किया था लेकिन उस समय शिविर में अन्न क्षेत्र के नाम पर सिर्फ 11 कप चाय बनती थी जिसका वितरण साधु - संतों और श्रद्धालुओं में किया जाता था लेकिन धीरे - धीरे अब अन्न क्षेत्र व्यापक रूप लें लिया है। शिविर में पौष पूर्णिमा से लेकर माघी पूर्णिमा तक जलपान और विशाल भण्डारा दिन, रात चलता है जिसमें हजारों साधु, श्रद्धालु आस्था और श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण करते है। पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज है। उन्होंने बताया कि पिछले 35 वर्षों में माघ मेला स्वरुप व्यापक स्तर पर बदल गया है, माघ मेला का क्षेत्रफल, बसावट और सुविधाएं माडर्न होती जा

रही है लेकिन सबसे बडी बात यह है कि देश, विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों के लिए चलने वाले अन्न क्षेत्रों का स्वरूप भी व्यापक हो गया है। मेला क्षेत्र में चलने वाले अन्न क्षेत्र में लाखों श्रद्धालु परिवार और साथियों के साथ दिन, रात खाना खाते है।

पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज ने बताया कि अन्न क्षेत्र चलने से मेला क्षेत्र में देश, विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों को जलपान और खाने की असुविधा नही होती है और ना उनको परेशान होना पडता है। उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज में माघ मास में कल्पवास करते हुए अन्नदान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

आशुतोष ब्रह्मचारी को जान से मारने की धमकी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन से जुड़े आशुतोष ब्रह्मचारी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक अंजान व्यक्ति ने दो बाद मोबाइल पर कॉल कर पुलिस से की गई शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। साथ ही शिकायत वापस नहीं लेने पर हत्या करने की धमकी दी। आशुतोष ब्रह्मचारी ने पुलिस आयुक्त से लिखित शिकायत कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट मथुरा के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया कि मौनी अमावस्या पर वह अपने अनुनायियों के साथ संगम स्नान को शिविर से निकले थे।

पीपा पुल नंबर दो के पास कुछ लोगों ने रास्ता जाम किया था। रास्ता छोड़ने का आग्रह करने पर आशुतोष ब्रह्मचारी और उनके दो सेवादारों पर हमलाकर घायल कर दिया गया। उसी दिन शाम को आशुतोष ब्रह्मचारी ने झूंसी थाने में तहरीर दी थी। इसके अतिरिक्त फर्जी शंकराचार्य के विषय में एक अलग शिकायत प्रदेश सरकार को भी प्रेषित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन्हीं शिकायतों को वापस नहीं लेने पर फोन करने वाले अनजान व्यक्ति ने हत्या करवाने की धमकी दी।

शूआट्स में अल्प उपयोग की जाने वाली सब्जी वर्गीय फसलों पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज क्षेत्र में कुपोषण को कम कर, पोषण एवं समृद्धि की नई क्रांति को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद से वित्त पोषित शुआट्स में चल रही परियोजना 'प्रयागराज क्षेत्र की खाद्य, पोषण और आर्थिक सुरक्षा के लिए संभावित रूप से अल्प उपयोग की जाने वाली सब्जी फसलों की खेती और प्रवर्धन के बारे में किसानों को जागरूक, शिक्षित और प्रशिक्षित करना' के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन का आयोजन 28 जनवरी 2026, दिन बुधवार को परियोजना के प्रमुख अन्वेषक (पी आई) दीपांशु, सह-प्राध्यापक और सह-अन्वेषक, डॉ. उर्फी फत्मी, सह-प्राध्यापक, डॉ. देवी सिंह, प्राध्यापक, उद्यान विभाग, शूआट्स, और डॉ. सी. जॉन वेस्ली, प्राध्यापक, जियोस्पेशियल प्रौद्योगिकी केंद्र, शूआट्स, द्वारा कराया जा रहा है। प्रयागराज क्षेत्र में पोषण एवं समृद्धि में बढ़ौतरी लाने के लिए इस एक दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन में प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों से किसानों को आमंत्रित किया गया है। इसके अंतर्गत अल्प उपयोगी सब्जी वर्गीय फसलों की खेती, प्रवर्धन तथा उनके महत्व के बारे में विशिष्ट वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी जाएगी तथा विश्वविद्यालय में इस परियोजना से सम्बन्धित लगाई गई सब्जियों के क्षेत्र का दौरा, प्रदर्शन एवं व्यक्तिगत प्रशिक्षण दीपांशु द्वारा कराया जाएगा।

बेटे को बचाने गई मां को दबंगों ने पीटा, महिला घायल

थरवई। थाना क्षेत्र के पंडिला बाजार में मंगलवार दोपहर दबंग युवकों ने एक महिला की पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गई। घायल महिला उर्मिला देवी पत्नी राजेंद्र मोदनवाल निवासी पंडिला बाजार की रहने वाली हैं। पीड़िता के अनुसार उसका 10 वर्षीय पुत्र राधे कृष्ण घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान गांव के कुछ युवक किसी बात को लेकर नाराज हो गए और मासूम के साथ मारपीट करने लगे। बेटे की पिटाई होते देख मां उर्मिला देवी बीच-बचाव के लिए पहुंची तो आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी।मारपीट में उर्मिला देवी को चोटें आईं। पीड़िता ने थरवई थाने में आरोपितों के विरुद्ध लिखित तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भिवंडी में चुनावी रंजिश लेकर दो गुटों में टकराव के बाद शहर में तनाव, दहशत कायम

▲ पुलिस दोनों गुटों के 60 से अधिक नामजद व 500 से अधिक अज्ञात लोगों पर 5 केस किया दर्ज

▲ दोनों गुटों के 44 लोगों को पुलिस ने अब तक किया गिरफ्तार, सभी को 5 दिन की पुलिस कस्टडी.

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के शिवाजी चौक परिसर में रविवार की रात भाजपा विधायक महेश चौगुले व पूर्व महापौर विलास पाटिल के समर्थकों के बीच हुए मारपीट,पथराव व तोड़फोड़ के बाद स्थित तनावपूर्ण नियंत्रण में है।इस मामले में दोनों गुटों के 60 से ज्यादा नामजद व 500 से ज्यादा अज्ञात लोगों पर पांच अलग अलग शिकायत दर्ज किया है।पुलिस ने बताया कि अभी तक दोनों गुटों के 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि अन्य की तलाश जारी है।सभी आरोपियों को अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।घटना के बाद क्षेत्र तगड़ा पुलिस बल तैनात किया है,बावजूद घटना के बाद क्षेत्र में दहशत व्याप्त है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी मनपा चुनाव परिणाम आने के तीसरे दिन अजय नगर इलाके में जमकर हिंसक वारदाते हुई।रविवार की रात लगभग 8 बजे के आस पास कोणार्क विकास आघाड़ी से नगरसेवक चुने गए पूर्व महापौर विलास पाटील और पूर्व महापौर प्रतिभा पाटील के बंगले पर कुछ लोगों ने पत्थरबाजी व तोड़फोड़ के साथ बंगले में घुसकर मारपीट की।जिसमें दोनों पूर्व महापौर पति पत्नी सहित कई लोग घायल हुए।आरोप है कि हमला करने वाले भाजपा विधायक महेश चौगुले के समर्थक थे।इसके बाद पूर्व महापौर के समर्थकों ने बड़े तादात में इकठ्ठा होकर विधायक महेश चौघुले के कार्यालय पर धावा बोल दिया और तोड़फोड़ शुरू करने के साथ उनके समर्थकों पर हमले कर दिए।इन दोनों वारदातों में दोनों गुटों के कई लोगों के घायल होने की खबर है।इधर इसके बाद विलास पाटील खुद समर्थकों के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हमले को लेकर धरने पर बैठ गए।जहां पर दोनों गुटों के बीच बड़े पैमाने पर झड़प हुई।जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।इधर इस मामले के बाद पुलिस एक्शन मोड में है।डीसीपी शशिकांत बोराटे ने बताया कि दोनों ही गुटों के एक दूसरे की शिकायत पर पांच क्रॉस कंप्लेंट दर्ज किया गया है।जिसमें कुल 60 से अधिक नामजद व 500 से ज्यादा लोगों पर शिकायत दर्ज किया गया है।उन्होंने बताया कि हिंसक वारदात के बाद विलास पाटिल के 35 लोगों को जबकि विधायक महेश चौघुले के गुट के 8 लोगों को सहित 44 लोगों को हिरासत में लेकर शाम को भिवंडी अदालत में पेश किया गया।जिन्हें अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।जबकि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुतेज के आधार पर आरो की पहचान की जा रही है उन्होंने बताया कि पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनाद किया गया है।वही फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंचकर सबूत जुटने में जुट गई है।

विधानसभा चुनाव के बाद से शुरू हुआ दोनों गुटों में दुश्मनी

सूत्र बताते है कि भिवंडी मनपा चुनाव में प्रभाग क्रमांक 1 से कोणार्क विकास आघाडी के पूर्व महापौर विलास आर. पाटील के पैनल व भाजपा विधायक महेश चौघुले के पुत्र मित चौघुले के पैनल के बीच मुकाबला था।जिसमें विधायक के बेटे की पैनल को करारी हार मिली थी।चुनाव के दौरान दोनों गुटों में मारपीट की वारदात हुई थी।जो आखिरकार रविवार की रात हिंसा में तब्दील हो गई।इतना ही नहीं सूत्र बताते है कि उक्त दोनों गुटों में यह चुनावी रंजिश विधानसभा चुनाव के दौरान शुरू हुआ था,जब भाजपा विधायक महेश चौघुले के सामने विलास पाटिल ने चुनाव लड़ा था।

वकीलों ने की पुलिस निरीक्षक को निलंबित करने की मांग

इधर भिवंडी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट किरण चन्ने के नेतृत्व में वकीलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गोकुल नगर स्थित विलास पाटिल के निवास स्थान का दौरा किया। वकीलों ने हमले की निंदा करते हुए निजामपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वास डगले को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। एडवोकेट मयूरेश पाटिल भी इस एसोसिएशन के सदस्य हैं।

पांच अलग-अलग दर्ज मामले इस प्रकार हैं:

पहला मामला: भावेश पाटिल की शिकायत पर पूर्व महापौर विलास पाटिल सहित 100 से 150 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ।

दूसरा मामला: हर्ष वरलीकर की शिकायत पर चैतन्य पुल्लेवार और अन्य 15 से 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन पर चुनाव जीतने के गुस्से में 'रत्नदीप' बंगले पर हमला कर जान से मारने की कोशिश का आरोप है।

तीसरा मामला: राजू तड़का की शिकायत पर भाजपा उम्मीदवार रितेश टावरे और उनके 100 से 150 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ घर पर हमला करने और जानलेवा चोट पहुँचाने का मामला दर्ज हुआ।

चौथा मामला: निजामपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वास डगले की शिकायत पर विलास पाटिल सहित 100-150 लोग पर केस दर्ज

पांचवा मामला:चैतन्य पुल्लेवर की शिकायत पर रितेश टावरे 100 से 150 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भारतीय समाज उन्नति मंडल के अध्यक्ष बने विजय जाधव, लगातार पांचवीं बार निर्विरोध चयन

भिवंडी। भिवंडी की प्रतिष्ठित सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल के ट्रस्टी और मैनेजमेंट कमेटी के चुनाव हाल ही में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। इस चुनाव में सभी ट्रस्टियों और नवनिर्वाचित सदस्यों ने सर्वसम्मति से विजय जाधव को लगातार पांचवीं बार संस्था का अध्यक्ष (प्रेसिडेंट) चुना। पांचवीं बार अध्यक्ष चुने जाने के बाद विजय जाधव ने कहा कि संस्था द्वारा शिक्षा, समाजसेवा और विभिन्न विकास कार्यों के माध्यम से किए गए प्रयासों के कारण आमसभा ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। उन्होंने संस्था को और अधिक मजबूत करने तथा पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर उन्होंने सभी ट्रस्टी, सदस्यों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। संस्था की नई एग्जीक्यूटिव कमेटी में बालकृष्ण काले को प्रेसिडेंट, अरुणा जाधव और श्रीराम भोईर को वाइस-प्रेसिडेंट चुना गया है। वहीं आर. एन. पिंजारी, एडवोकेट रोहित जाधव और गो. बा. पाटिल को जनरल सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जे. डी. भोईर को ट्रेज़रर और कुसुम डावकर को को-ट्रेज़रर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा डॉ. नरेश जाधव, जनार्दन जव्हारकर, हरिराम शिदुनकर, पद्माकर केवाड़ी और अशोक हिवारे को मैनेजमेंट कमेटी का सदस्य चुना गया है। चुनाव अधिकारी प्रभाकर पाटिल ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव की समाधि पर जाकर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. शशिकांत म्हलुंकर, हेडमास्टर सुधीर घागस, वाइस प्रिंसिपल डी. एल. अहिरे सहित संस्था के प्रोफेसर, शिक्षक और नॉन-टीचिंग कर्मयोगियों ने विजय जाधव को पुनः अध्यक्ष चुने जाने पर शुभकामनाएं दीं।

ठाणे पुलिस के आला अधिकारियों ने किया दौरा, क्राइम ब्रांच पुलिस को जांच की जिम्मेदारी

भिवंडी में हिंसक वारदात के बाद पुलिस हुई सख्त

कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी - डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण।

भिवंडी।भिवंडी में दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद ठाणे के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने शहर का दौरा किया। शांति समिति की बैठक में उन्होंने चेतावनी दी है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले सामाजिक उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना की जांच क्राइम ब्रांच और स्थानीय स्तर पर की जाएगी।

पुलिस अधिकारी विनायक देशमुख, अतिरिक्त आयुक्त पंजाबराव उगले, डीसीपी क्राइम ब्रांच अमरसिंह जाधव, पुलिस उपायुक्त विशेष शाखा मीना मकवानी ने हिंसा के बाद भिवंडी शहर का दौरा किया और शांति समिति के साथ विशेष बैठक की।

इस दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण
ने कहा कि चुनाव में हार पर क्रोधित होना गलत है। जन प्रतिनिधियों के लिए यह सोचना आवश्यक है कि जनता ने उन्हें विकास के लिए चुना है। अपने क्रोध के कारण किसी को नुकसान पहुंचाना और जनजीवन को बाधित करना कानून के विरुद्ध है। डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने बताया कि पुलिस ने पांच अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं और 150 लोगों को हिरासत में लिया है। डॉ. चव्हाण ने बताया कि शेष आरोपियों से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से तलाश की जा रही है और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। शहर में कोई घटना होने पर नागरिकों को तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए। किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें, अफवाहें फैलाना अपराध है। सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने वाले संदेश पोस्ट या फॉरवर्ड न करें, पुलिस निष्पक्ष रहेगी और कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।डॉ. चव्हाण ने सूचित किया कि आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी। यदि शहर में कोई घटना घटित होती है, तो नागरिकों को तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए। उन्होंने उपद्रवियों को चेतावनी दी है कि कानून को अपने हाथ में लेकर कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले एक साल में, पुलिस ने ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय में आपराधिक प्रवृत्ति वाले 300 से अधिक लोगों को और भिवंडी में 70 अपराधियों को निर्वासित किया है। उन्होंने यह भी बताया कि बड़ी संख्या में निवारक और एमपीडीए अभियान चलाए गए हैं। उन्होंने पुलिस को शहर के विभिन्न वार्डों में रूट मार्च करने का निर्देश दिया और देर रात तक खुले रहने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

प्रशासन की उदासीनता से जनता में आक्रोश

भिवंडी में सड़कों के किनारे बने गैप बने हादसों की वजह

रोजाना हो रही दुर्घटनाओं में दर्जनों घायल, कई लोगों की जा चुकी है जान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में बारिश के बाद सड़कों के किनारे बने गहरे गैप अब जानलेवा साबित हो रहे हैं। डामर और आरसीसी सड़कों के बगल की मिट्टी बह जाने से बने इन गैपों के कारण रोजाना वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद मनपा प्रशासन की उदासीनता से शहरवासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

शहर की लगभग हर प्रमुख सड़क के किनारे यह समस्या देखने को मिल रही है। बारिश के दौरान सड़क के बगल की मिट्टी बह जाने से सड़क और किनारे के बीच गहरा अंतर बन गया है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठते हैं। खासकर रात के समय यह गैप दिखाई न देने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।

सोमवार 19 जनवरी की रात करीब 8 बजे मंत्र भारत अखबार के पत्रकार महेंद्र सरोज अपनी बाइक से पेट्रोल भरवाने बंजारपट्टी की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे एसटी स्टैंड के पास पहुंचे, सड़क किनारे बने गैप में बाइक का पहिया फंस गया और बाइक फिसल गई।

हादसे में महेंद्र सरोज सड़क पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर और आंख में गंभीर चोट आई। उन्होंने बताया कि गनीमत रही कि आंख की रोशनी बच गई, अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था।

ऐसी घटनाएं शहर में रोजाना हो रही हैं। कुछ दिन पहले टेमघर पाड़ा इलाके के इंद्रलोक रेसिडेंसी में रहने वाला 20 वर्षीय राज रंजन सिंह अपने दोस्त के साथ बाइक से नाशिक हाईवे की ओर जा रहा था। कल्याण रोड स्थित साईबाबा मंदिर के सामने सड़क किनारे बने गैप में बाइक फिसलने से वह सड़क पर गिर गया और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले बंजारपट्टी इलाके में भी सड़क किनारे बने गैप के कारण फिसलने के बाद कंटेनर की चपेट में आने से एक डॉक्टर की जान चली गई थी। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा समय पर ठोस कदम नहीं उठाए गए। इस संबंध में मनपा के शहर अभियंता जमील पटेल ने बताया कि बारिश के दौरान इन गैपों को भरना मुश्किल था, लेकिन अब पूरे शहर में सड़कों के किनारे बने गैप भरने का काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पांचों प्रभागों में अलग-अलग ठेकेदारों को यह काम सौंपा गया है और जल्द ही जनता को इस समस्या से राहत मिलेगी।

भिवंडी में बाइक फिसल कर गिरने से युवक की मौत

भिवंडी। भिवंडी कल्याण रोड पर आधी रात को बाइक फिसलने के कारण सड़क पर गिरे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।पुलिस इस घटन को आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गई है। पुलिस के अनुसार कोनगांव इलाके में स्थित हरीचंद प्लाजा बिल्डिंग के दूसरी मंजिल पर रहने वाला उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के देवगांव थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव का मूल निवासी रामजनम मुन्नीलाल राम (34) अपनी शाइन मोटरसाइकिल (एमएच 04 केजेड 5837) से भिवंडी से कल्याण की ओर जा रहा था। 26 दिसंबर 2025 की रात करीब 12 बजे जैसे ही वह पिंपलगांव में स्थित (पिंपळघर), सुनीता साड़ी सेंटर के पास पहुंचा,उसी दौरान सड़क पर डिसबैलेंस होकर अचानक उसकी बाइक फिसल गई, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा।जिसके कारण सीने और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी र मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद कोनगांव पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर अपराध क्रमांक 10/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के अनुसार आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक प्रियांका चौगुले कर रही हैं।

चुनाव में खिलाफ काम करने के आरोप में युवक की पिटाई.

भाजपा के पूर्व नगरसेवक के बेटे पर मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी मनपा चुनाव के बाद शहर में चुनावी रंजिश के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा घटना फेनेपाड़ा इलाके से सामने आई है, जहां चुनाव में अपने खिलाफ काम करने के आरोप में पराजित भाजपा उम्मीदवार के बेटे ने गुस्से में आकर एक व्यक्ति की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भिवंडी मनपा के प्रभाग क्रमांक 22 से निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐंकर ने भाजपा उम्मीदवार और पूर्व नगरसेवक श्याम अग्रवाल को महज 21 वोटों से हराकर जीत दर्ज की थी। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक तनाव बना हुआ है।

आरोप है कि शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे पराजित उम्मीदवार श्याम अग्रवाल का बेटा कुशाग्रा अग्रवाल अपने साथी प्रवीण पाटिल और संतोष यादव के साथ फेनेपाड़ा इलाके में स्थित प्रभाकर प्रजापति के घर में घुस गया। आरोपियों ने प्रभाकर प्रजापति पर निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐंकर के पक्ष में प्रचार करने और भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और फिर लाठी-डंडों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसे जबरन उठा ले जाने की धमकी भी दी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घायल अवस्था में प्रभाकर प्रजापति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद भिवंडी शहर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रभाकर प्रजापति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कुशाग्रा अग्रवाल सहित तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। चुनाव के बाद लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

गोविंद पानसरे हत्या मामले के एक आरोपी की सांगली में मौत, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई। प्रसिद्ध भारतीय तर्कवादी, साम्यवादी नेता और लेखक गोविंद पानसरे हत्याकांड में नया मोड़ आया है। उनकी हत्या के मामले में सह-साजिशकर्ता आरोपी समीर गायकवाड़ की मंगलवार सुबह मौत हो गई। यह घटना महाराष्ट्र के सांगली जिले की है। 43 साल के गायकवाड़ कथित तौर पर सनातन संस्था के सदस्य बताए जाते थे।

पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गायकवाड़ को अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि पहली नजर में यह दिल का दौरा (कार्डियक अरेस्ट) पड़ने का मामला लगता है। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी। पुलिस को इस मामले में कुछ भी संदिग्ध नहीं लगा है।

2015 में किया गया था गिरफ्तार

समीर गायकवाड़ को पानसरे हत्याकांड में साजिश रचने के आरोप में 2015 में गिरफ्तार किया गया था। एसआईटी ने अपनी चार्जशीट में उन पर अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाने का आरोप लगाया था। साल 2017 में उन्हें जमानत मिल गई थी और तब से वह सांगली में अपने घर पर ही रह रहे थे।

क्या था मामला?

गोविंद पानसरे और उनकी पत्नी पर 16 फरवरी 2015 को कोल्हापुर में हमला हुआ था। जब वे सुबह की सैर से लौट रहे थे, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उन पर गोलियां चला दीं। इलाज के दौरान 20 फरवरी को पानसरे की मौत हो गई थी।

शुरुआत में कोल्हापुर पुलिस ने जांच की, फिर मामला एसआईटी को सौंपा गया। जांच में देरी होने पर पानसरे के परिवार ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद अगस्त 2022 में हाई कोर्ट ने यह केस एटीएस (एटीएस) को सौंप दिया। इस मामले में अब तक 12 आरोपियों की पहचान हुई है, जिनमें से नौ लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

हार्दिक पंड्या का वीडियो मैसेज देख भावुक हुई आरसीबी स्टार गौतमी नाइक

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की उभरती हुई स्टार बल्लेबाज़ गौतमी नाइक को उनके क्रिकेटिंग आइडल हार्दिक पंड्या से ऐसा सरप्राइज मिला, जिसे वह जिंदगी भर नहीं भूलेंगी। गुजरात जायंट्स के खिलाफ आरसीबी की जीत के बाद गौतमी को हार्दिक पंड्या का एक खास वीडियो मैसेज दिखाया गया, जिसने उन्हें भावुक कर दिया।

सोमवार को खेले गए डब्ल्यूपीएल 2026 मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात जायंट्स को हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ आरसीबी का अपराजेय अभियान पांच मैचों तक पहुंच गया। मैच के बाद गौतमी नाइक ने खुलासा किया कि वह भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अपना आदर्श मानती हैं और उन्हीं की तरह दबाव में शांत रहकर प्रदर्शन करना चाहती हैं।

डब्ल्यूपीएल द्वारा साझा किए गए वीडियो में गौतमी ने कहा, 'मेरे क्रिकेटिंग आइडल हार्दिक पंड्या हैं। मैं उनकी तरह खेलना चाहती हूं। दबाव की परिस्थितियों में वह जिस तरह शांत रहते हैं, वह मुझे बहुत प्रेरित करता है। मेरा स्वभाव भी वैसा ही है और मैं टीम के लिए उसी तरह योगदान देना चाहती हूं।'

इसी दौरान गौतमी को एक फोन दिया गया, जिसमें हार्दिक पंड्या का वीडियो मैसेज था। पंड्या ने कहा, 'हाय गौतमी, हार्दिक यहां। मुझे पता चला कि मैं तुम्हारा क्रिकेटिंग आइडल हूं। यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि मैं युवा खिलाड़ियों को प्रेरित कर पा रहा हूं। तुम्हारी पहली फिफ्टी के लिए बहुत-बहुत बधाई। खेल का आनंद लो, अनुशासित रहो और आगे चलकर अपने फ्रेंचाइज़ी और देश के लिए शानदार प्रदर्शन करो।'

वीडियो देखने के बाद गौतमी अपनी भावनाएं रोक नहीं पाईं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है। मैंने कभी सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा। वह मेरे आइडल हैं और उनसे मैसेज मिलना मेरे लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं। मैं उनसे मिलना चाहती हूं और उनके जैसा खिलाड़ी बनना चाहती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'हार्दिक सर, मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूं। कृपया मुझे ऐसे ही प्रोत्साहित करते रहें। टी20 वर्ल्ड कप के लिए आपको ढेरों शुभकामनाएं, उम्मीद है आप भारत को वर्ल्ड कप जिताएंगे।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज की संघर्षपूर्ण जीत, शेल्टन भी आगे बढ़े

मेलबर्न (**एजेंसी**)। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने शुरुआत में संघर्ष करने के बाद शानदार वापसी करके मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई जबकि पुरुष वर्ग में बेन शेल्टन भी आगे बढ़ने में सफल रहे। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही।

कीज ने कहा, 'मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा।' कीज ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया।

इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी बेल्जियम के राफेल कोलिग्नन के चौथे सेट में रिटायर होने के बाद दूसरे दौर में पहुंच गए। बेल्जियम के खिलाड़ी ने कथित तौर पर ऐंठन और चक्कर आने के कारण मैच बीच में ही छोड़ दिया। उस समय मुसेट्टी 4-6, 7-6 (3), 7-5, 3-2 से आगे चल रहे थे।

लोढ़ा डेवलपर्स का महाराष्ट्र में मेगा डेटा सेंटर दांव, 1 लाख करोड़ का अतिरिक्त निवेश

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। रियल एस्टेट कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र में डेटा सेंटर पार्क के निर्माण के लिए 1 लाख करोड़ के अतिरिक्त निवेश को लेकर राज्य सरकार के साथ प्रारंभिक समझौता किया है। इसके साथ ही कंपनी की कुल निवेश प्रतिबद्धता 1.3 लाख करोड़ तक पहुंच गई है।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह नया समझौता 19 जनवरी को दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच के इतर, लोढ़ा डेवलपर्स के एमडी एवं सीईओ अभिषेक लोढ़ा और महाराष्ट्र सरकार के बीच हुआ।

गौरतलब है कि लोढ़ा डेवलपर्स ने इससे पहले सितंबर 2025 में राज्य सरकार के साथ 30, 000 करोड़ के निवेश को लेकर एमओयू साइन किया था, जो महाराष्ट्र की ग्रीन इंटीग्रेटेड डेटा सेंटर पार्क नीति के तहत था।

कंपनी के अनुसार, करीब 2.5 गीगावाट क्षमता वाले इस डेटा सेंटर पार्क के पूरी तरह विकसित होने पर यह देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर पार्क होगा। इस परियोजना से 16, 000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

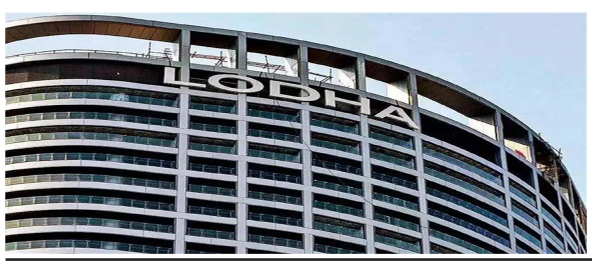

इस पार्क में कई प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपने डेटा सेंटर स्थापित कर सकेंगी। अमेजन पहले ही यहां अपने डेटा सेंटर के लिए जमीन खरीद चुका है और अगले 15 वर्षों के लिए बिजली की व्यवस्था भी कर ली है। वहीं, सिंगापुर की एऊऊ ग्लोबल डेटा सेंटर्स ने भी परियोजना में भूखंड खरीदा है।

लोढ़ा डेवलपर्स इच्छुक कंपनियों के लिए डेवलपर की भूमिका निभाएगी। अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से यह निवेश राज्य के आर्थिक विकास और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देगा।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने विश्व आर्थिक मंच के पहले दिन ही 14.5 लाख करोड़ के निवेश से जुड़े 19 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनसे 15 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है।

स्टीव स्मिथ ने टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर किए जाने पर तोड़ी चुप्पी, बड़े प्लान का किया खुलासा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 में शानदार फॉर्म में चल रहे स्टीव स्मिथ दो साल से ज्यादा समय से ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20आई मैच नहीं खेला है और टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम का भी हिस्सा नहीं हैं। एक शतक और एक अर्धशतक के साथ अपनी टीम सिडनी सिक्सर्स को टॉप दो में पहुंचाने में मदद करने वाले स्मिथ ने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

स्मिथ ने कहा, 'मैं हमेशा बड़े टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि वह मौका (टी20 वर्ल्ड कप) अब हाथ से निकल गया है। मुझे लगता है कि उनके पास दो ओपनिंग बल्लेबाज हैं जो काफी अच्छा कर रहे हैं। मैं यहां जो कर सकता हूं, वह करके खुश हूं और मजे कर रहा हूं।'

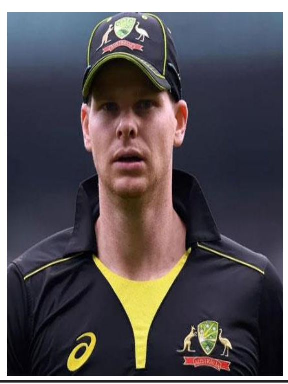

स्मिथ ने बिग बैश में ओपनर के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने पिछले छह मैचों में लगभग 180 के स्ट्राइक-रेट से 346 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। हालांकि जब टी20 फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने की बात आती है, तो स्मिथ ने एक अलग लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा, 'मेरा मुख्य लक्ष्य, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, जब ओलंपिक होंगे तब टीम में जगह बनाना है। मैं ऐसा करना चाहूंगा। यह बहुत अच्छा होगा। मैं जो कर रहा हूं, वह करता रहूंगा और आप कभी नहीं जानते कब क्या हो जाए।'

चीनी उत्पादन जनवरी के मध्य तक 22 प्रतिशत बढ़कर 159 लाख टन : इस्मा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 1.59 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भारतीय चीनी एवं बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने एक बयान में कहा कि पिछले साल इसी अवधि में उत्पादन 1.3 करोड़ टन था। इस साल 15 जनवरी तक लगभग 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी।

देश में चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51 प्रतिशत बढ़कर 64.5 लाख टन हो गया। उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर 27.5 लाख टन से बढ़कर 31 लाख टन हो गया। इस्मा ने कहा, ''गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता, बेहतर पैदावार और प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सुचारू कामकाज के कारण 2025-26 के सत्र में भारत के चीनी क्षेत्र ने अब तक स्थिर प्रगति की है।''

हालांकि, उद्योग निकाय ने चेतावनी दी कि गन्ने की बढ़ती कीमतों और चीनी की कीमतों में गिरावट से मिलों की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है और किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी हो रही है। इस्मा ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलों से निकलने वाली चीनी की कीमतें गिरकर लगभग 3, 550 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जो उत्पादन लागत से काफी कम है। संस्था ने कहा कि चीनी का भंडार बढ़ रहा है, और संकेत मिल रहे हैं कि गन्ने के भुगतान का बकाया बढ़ना शुरू हो गया है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो यह और बढ़ सकता है। इस्मा ने वित्तीय स्थिरता बहाल करने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में जल्द संशोधन की मांग की है।

नेहा कक्कड़का 'सन्यास'! काम और रिश्तों से तोड़ा नाता फिर पोस्ट डिलीट कर सोशल मीडिया पर मचाया हड़कंप

मुंबई।बॉलीवुड की 'हिट मशीन' कही जाने वाली नेहा कक्कड़ एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई नया गाना नहीं बल्कि उनका एक रहस्यमयी सोशल मीडिया पोस्ट है। सोमवार दोपहर नेहा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दो ऐसी पोस्ट साझा कीं, जिनसे उनके मानसिक स्वास्थ्य और वैवाहिक जीवन को लेकर कयासों का बाजार गर्म हो गया है।

नेहा कक्कड़ ने सोमवार, 19 जनवरी 2026 को अपने करोड़ों प्रशंसकों को उस वक्त गहरे सदमे और चिंता में डाल दिया, जब उन्होंने इंस्टाग्राम पर दो बेहद भावुक और रहस्यमयी पोस्ट साझा किए। हालांकि, ये पोस्ट शेयर करने के कुछ ही मिनटों बाद डिलीट कर दिए गए, लेकिन तब तक इनके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल चुके थे। उन्होंने ऐलान किया कि वह 'जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम' से ब्रेक ले रही हैं, और उन्हें पक्का नहीं है कि वह वापस आएंगी या नहीं। कैंडी शॉप सिंगर ने पैप्स से यह भी रिक्वेस्ट की कि वे उनका पीछा न करें। क्योंकि कोई वजह नहीं बताई गई थी, इसलिए परेशान फैंस सोच रहे थे कि इन पोस्ट की वजह क्या हो सकती है।

नेहा कक्कड़ ने इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट शेयर कीं, जिससे उनके फैंस परेशान हो गए। अपनी पहली स्टोरी में, उन्होंने लिखा, 'अब जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और हर उस चीज़ से ब्रेक लेने का समय है जिसके बारे में मैं अभी सोच सकती हूं। पक्का नहीं कि मैं वापस आऊंगी या नहीं। धन्यवाद।'

दूसरी पोस्ट में, उन्होंने लिखा, 'और मैं पैपराज़ी और फैंस से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे मुझे बिल्कुल भी शूट न करें। मुझे उम्मीद है कि आप मेरी प्राइवेसी का सम्मान करेंगे और मुझे इस दुनिया में आज़ादी से जीने देंगे। कोई कैमरा नहीं, प्लीज़। मैं रिक्वेस्ट करती हूं। यह कम से कम आप सब मेरी शांति के लिए कर सकते हैं।'

टोनी कक्कड़ द्वारा कंपोज़, लिखा और प्रोड्यूस किए गए कैंडी शॉप में टोनी और नेहा कक्कड़ दोनों की आवाज़ें थीं। यह गाना 15 दिसंबर, 2025 को रिलीज़ हुआ और सोशल मीडिया पर तेज़ी से पॉपुलर हो गया। हालांकि, इसे भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। कई सुनने वालों ने ट्रैक को घटिया बताया, जबकि दूसरों ने इसके बोल और अजीब डांस मूव्स के लिए इसकी आलोचना की। गाने के लुक और फील को लेकर भी आलोचना हुई, कुछ नेटिज़न्स ने आरोप लगाया कि कैंडी शॉप ने ख्-पॉप एस्थेटिक्स से बहुत ज़्यादा कॉपी किया है। हालांकि, यह कन्फर्म नहीं किया जा सकता कि नेहा की पोस्ट आलोचना का नतीजा हैं या नहीं।

ग्लोबल टेंशन से शेयर बाजार लाल, दो दिन में निवेशकों के डूबे 11.50 लाख करोड़

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी और फ्रांस द्वारा पीस बोर्ड में शामिल होने से इनकार के चलते एक बार फिर वैश्विक शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। इस वैश्विक उथल-पुथल का सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। मंगलवार को सेंसेक्स 1065.71 की गिरावट के साथ 82, 180.47 पर बंद हुआ। लगातार दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स कुल मिलाकर 1, 300 अंकों से अधिक टूट चुका है। वहीं निफ्टी 50 में 353 अंकों की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ निफ्टी 25, 232.50 अंक पर बंद हुआ। इस भारी गिरावट के चलते मंगलवार को ही निवेशकों के करीब 9 लाख करोड़ रुपए डूब गए, जबकि दो दिनों में कुल नुकसान 11.50 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। शेयर बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई का कुल मार्केट कैप सोमवार के 4, 65, 68, 777 करोड़ रुपए से घटकर मंगलवार को 4, 57, 15, 068 करोड़ रुपए रह गया यानी एक ही दिन में निवेशकों को करीब 9, 02, 669 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। वहीं दो दिनों की गिरावट में निवेशकों की कुल चपत 11.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच चुकी है।

सिनर ने खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत की

मेलबर्न (**एजेंसी**)। मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की। विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सी.एच.ई.(एस.ओ.) विभाग
ई.ई.(एम) एस.ओ. सिटी-II/ 2616 तारीखः 20.01.2026

ई-टेंडर सूचना

ग्रेटर मुंबई के म्युनिसिपल कमिश्नर निम्नलिखित ऑनलाइन टेंडर आमंत्रित करते हैं। टेंडर की कॉपी 'ई-प्रोक्योरमेंट' सेक्शन के तहत महा-टेंडर पोर्टल (https://mahatenders.gov.in/nicgep/app) से डाउनलोड की जा सकती है।

क्रमांक	निविदा का विषय	बयाना राशि (रुपये)	निविदा शुल्क (रुपये)	निविदा की अंतिम तिथि
1.	मेरीवेधर पंपिंग स्टेशन में ऑटो प्रणाली (पीएलसी, एचएमआई), ऑनलाइन डेटा आईओटी तथा अल्ट्रासोनिक लेवल ट्रांसमीटर के समकालिकरण का नवीनीकरण एवं कोलाबा एसटीपी में ओपीएम सेंसर का प्रतिस्थापन 2026_MCGM_1270322_1	9100/-	1452/-+ 18% जीएसटी	28.01.2026 को 16.00 बजे
2.	सहायक अभियंता (पंपिंग), कोलाबा के अंतर्गत विभिन्न पंपिंग स्टेशनों के वेट वेल में यांत्रिक लेवल संकेतक का प्रतिस्थापन 2025_MCGM_1270310_1	14100/-	3630/-+ 18% जीएसटी	28.01.2026 को 16.00 बजे
	कोलाबा ज़ोन के अंतर्गत विभिन्न पंपिंग स्टेशनों पर प्रकाश व्यवस्था प्रणाली में सुधार का कार्य 2026_MCGM_1270314_1	8000/-	1452/-+ 18% जीएसटी	28.01.2026 को 16.00 बजे

बसाइटः https://portal.mcgm.gov.in , https://mahatenders.gov.in/nicgep/app
ई-मेलः eemechscity2.so@mcgm.gov.in

Sd/-
(अभिजीत जैन)
एग्जीक्यूटिव.इंजी.मैकेनिकल.
(सीवरेज)सिटी-II

पीआरओ/2709/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(लाइसेंसिंग अतिक्रमण उन्मूलन विभाग, एम/ईस्ट वार्ड)
क्रमांकः ACME/OD/580/En. Rem. दिनांकः 20.01.2026

रुचि की अभिव्यक्ति विज्ञापन

विषयः- एम/ईस्ट वार्ड में अतिक्रमण हटाने वाले वाहन के लिए 01.02.2026 से 31.07.2026 की अवधि के लिए गैर-सरकारी एजेंसी से कर्मचारियों को लेने के संबंध में।

एम/पूर्व प्रभाग में अतिक्रमण हटाओ वाहन पर श्रमिक उपलब्ध कराने हेतु गैर-सरकारी संस्था के चयन के लिए इच्छुक स्थानीय पंजीकृत गैर-सरकारी संस्थाओं, पंजीकृत श्रमिक सहकारी संस्थाओं, सेवा सहकारी संस्थाओं, रोजगार सहकारी संस्थाओं, औद्योगिक सेवा सहकारी संस्थाओं आदि से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। संबंधित संस्था को उक्त वाहन पर कार्य करने का अनुभव होना चाहिए अथवा अन्य किसी नगर निगम विभाग में श्रमिक उपलब्ध कराने का अनुभव होना चाहिए तथा संस्था का पंजीकरण M/East Ward Office के अधिकार क्षेत्र में होना आवश्यक है।

चयनित संस्था से प्रतिदिन 8 घंटे (प्रातः 07.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक - प्रातः पाली/सांय पाली/ब्रेक ड्यूटी सहित) कार्य हेतु कुल 12 श्रमिकों की आवश्यकता होगी।

आवेदन का प्रारूप एम/पूर्व प्रभाग कार्यालय, द्वितीय मंजिल, कक्ष क्रमांक 206 में स्थित वरिष्ठ निरीक्षक (लाइसेंस अतिक्रमण हटाओ) के कार्यालय से कार्यालय अनुमान राशि के 0.12 प्रतिशत (अर्थात 2475.00/-) एवं उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी नकद (अप्रतिदेय) भुगतान कर दिनांक 21.01.2026 से 29.01.2026 तक प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक (रविवार एवं सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) प्राप्त किया जा सकता है।

आवेदन पत्र दिनांक 21.01.2026 से 29.01.2026 तक कार्यदिवसों में प्रातः 10.30 बजे से सायं 05.30 बजे तक (रविवार एवं सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) तथा शनिवार दिनांक 24.01.2026 को केवल प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पात्र संस्थाओं की सूची से लॉटरी पद्धति द्वारा सफल संस्था को कार्य आवंटन एम/पूर्व प्रभाग के सहायक आयुक्त द्वारा योजना की शर्तों एवं नियमों के अनुसार किया जाएगा। सहायक आयुक्त, एम/पूर्व प्रभाग को लॉटरी पद्धति एवं परिणाम प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

जो आवेदक उपरोक्त मापदंडों को पूर्ण नहीं करेंगे, उन्हें बिना किसी कारण बताए अयोग्य घोषित किया जाएगा।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 29.01.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक है। पात्र एवं अपात्र निविदा सूची उसी दिन सायं 04.00 बजे सूचना पटल पर घोषित की जाएगी।

लॉटरी दिनांक 02.02.2026 को अपराह्न 03.00 बजे खोली जाएगी।

हस्ताक्षर/-
सहायक आयुक्त एम/ईस्ट वार्ड

पीआरओ/2704/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

अरब सागर में उठ रहे खौलते पानी के बुलबुले, रहस्यमयी हलचल से गुजरात तट पर मचा हड़कंप, कुछ बड़ा होने की आशंका?

पालघर। गुजरात तट से सटे Arabian Sea के गहरे पानी में सोमवार को ऐसी रहस्यमयी हलचल देखी गई, जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया। Palghar district के आपदा प्रबंधन विभाग को मछुआरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए कुछ वीडियो प्राप्त हुए हैं, जिनमें समुद्र का पानी किसी विशाल कड़ाही की तरह 'उबलता' हुआ दिखाई दे रहा है। पानी की सतह पर सफेद झाग और बड़े-बड़े बुलबुले उठते दिख रहे हैं, जो सामान्यतः पानी के नीचे भारी दबाव या गैस के निकलने पर देखे जाते हैं।
पालघर जिले के एक अधिकारी ने बताया कि मछुआरों के अनुसार यह हलचल अचानक शुरू हुई और समुद्र के एक बड़े हिस्से में फैल गई। इस असामान्य गतिविधि ने क्षेत्र में आशंकाएँ बढ़ा दी हैं।
पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस घटना की गहन जाँच की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि देखी गई हलचल अत्यंत असामान्य है और इस पर विशेष समुद्री तथा औद्योगिक एजेंसियों का तत्काल ध्यान आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र समुद्री परिवहन मार्गों और मछली पकड़ने के प्रमुख इलाकों के निकट स्थित है। आशंका जताई जा रही है

कि यह घटना समुद्र तल से गैस रिसाव, पानी के नीचे भू-वैज्ञानिक गतिविधियों या समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों से रिसाव के कारण हो सकती है।
उन्होंने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ यह पता लगाने के लिए समुद्री प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर रहा है कि यह हलचल प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक बदलावों का परिणाम है या किसी मानव-जनित औद्योगिक घटना का संकेत। एहतियात के तौर पर, उक्त क्षेत्र के आसपास से गुजरने वाले जहाजों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।
प्रशासन की चिंताः तीन संभावित कारण
गैस रिसावः समुद्र के नीचे प्राकृतिक गैस भंडारों से रिसाव के कारण पानी में बुलबुले उठ सकते हैं।
पाइपलाइन में खराबीः इस क्षेत्र में तेल-गैस कंपनियों, जैसे ONGC, की अंडरवॉटर पाइपलाइनों का नेटवर्क है; किसी पाइपलाइन में दरार से दबाव बन सकता है।
भू-वैज्ञानिक गतिविधियाँः समुद्र तल के नीचे भूकंपीय हलचल या ज्वालामुखीय गतिविधि से तापमान और दबाव में परिवर्तन संभव है।
विशेषज्ञों की नजर में चार मुख्य खतरे
सबमरीन गैस लीकः प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों में रिसाव से आग या बड़े विस्फोट का जोखिम।
मीथेन उत्सर्जनः समुद्र तल के नीचे जमा मीथेन गैस का भूगर्भीय दबाव से बाहर निकलना, जिससे पानी 'उबलता' प्रतीत हो सकता है।
विवर्तनिक गतिविधिः समुद्र तल की प्लेटों में दरार या किसी छोटे ज्वालामुखी की सक्रियता।
औद्योगिक अपशिष्टः किसी बड़े जहाज या तटीय इकाई द्वारा रसायनिक अपशिष्ट का उत्सर्जन, हालांकि बुलबुलों की तीव्रता इसे कम संभावित बनाती है।
प्रशासनिक मुस्तैदी और चेतावनी
जहाजों के लिए अलर्टः पालघर और Gujarat coast के बीच से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों और नौकाओं को इस 'हॉटस्पॉट' से दूर रहने की सलाह।
एजेंसियों की जाँचः समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ और Indian Coast Guard यह जाँच कर रही हैं कि क्या क्षेत्र में किसी पाइपलाइन का दबाव कम हुआ है।

खून बहाने की फिराक में थे आतंकी सड़क किनारे बिछाया था आईईडी

सुरक्षाबलों की सतर्कता ने बचाई सैकड़ों जिंदगियां!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह से ठीक पहले आतंकियों की एक बड़ी और खौफनाक साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। मंगलवार को श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर एक शक्तिशाली परिष्कृत

विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया गया, जिसे समय रहते निष्क्रिय कर एक भीषण रक्तपात को रोक लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने बारामूला जिले के पट्टानी क्षेत्र के तकिया टैपर में सड़क किनारे आईईडी लगाया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों की गश्त टीम ने आईईडी का पता लगाया और उसे निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया। यह घटना गणतंत्र दिवस समारोह से एक सप्ताह से भी कम समय पहले हुई है। इस बीच, आतंकवादियों के किसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देने कीआशंकाओं के मद्देनजर कश्मीर घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह घटना 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) समारोह से एक सप्ताह से भी कम समय पहले हुई है, जिसने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। गणतंत्र दिवस को देखते हुए आतंकियों द्वारा किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई जा रही है।

कर्नाटक के डीजीपी के सेक्स स्कैंडल से शर्मिंदा हुई सरकार, वीडियो वायरल के बाद लिया तगड़ा एक्शन

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक सरकार ने सोशल मीडिया पर कथित अश्लील वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के. रामचंद्र राव को निलंबित कर दिया है। सोमवार को वायरल हुई इन वीडियो में कथित तौर पर डीजीपी को उनके आधिकारिक कार्यालय में कई महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया है, जिससे राजनीतिक हंगामा और सार्वजनिक निंदा शुरू हो गई है।

आधिकारिक निलंबन आदेश के अनुसार राव का आचरण'एक सरकारी कर्मचारी के लिए अशोभनीय'है और इससे'सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।'जांच के परिणाम आने तक डीजीपी को निलंबित कर दिया गया है और निलंबन की अवधि के दौरान राव को राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं है।

सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने के बाद विपक्षी नेताओं और आम जनता की ओर से डीजीपी पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की जा रही थी। इस दबाव के बीच सिद्दारमैया सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीजीपी के निलंबन का यह कदम उठाया है।

यह मामला पुलिस और प्रशासनिक सेवाओं में वरिष्ठ अधिकारियों के बीच दुराचार की निरंतर चिंताओं को उजागर करता है। पिछले एक वर्ष के दौरान अन्य राज्यों में भी इसी तरह की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे कानून प्रवर्तन के भीतर संस्थागत सुरक्षा और आंतरिक अनुशासनात्मक तंत्र पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार ने जारी जांच के बारे में अधिक विवरण नहीं दिया है, लेकिन उम्मीद है कि राव के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मैगी, बासमती चावल, कई महीनों का पूरा इंतजाम, 12,000 फीट पर जैश ने बना लिया था बंकर, जानिए कैसे सेना ने उड़ा दिया

किश्तवार। किश्तवार के ऊंचे पहाड़ों में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े आतंकवादियों ने लंबे समय तक छिपने की योजना बनाई थी। पत्थरों की कतारों से सावधानीपूर्वक सुरक्षित किए गए एक मजबूत बंकर में महीनों तक रहने के लिए पर्याप्त सामान जमा था, जो एक लंबे समय तक छिपने की तैयारी का संकेत देता है। सेना ने एक गहन आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद इस बंकर का भंडाफोड़ किया, जिसमें एक कमांडो ने शहीद हो गए और कई अन्य घायल हो गए।
खबरों के अनुसार, बंकर से कम से कम 50 पैकेट नूडल्स, टमाटर और आलू का एक पूरा क्रेट, 15 प्रकार के मसाले, 10 किलो बासमती चावल के दो बोरे, दाल, गेहूं और बाजरे के बोरे, दो बड़े एलपीजी सिलेंडर, बर्नर और सूखी लकड़ी बरामद की गई। गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हुए एक पैराट्रूपर ने दम तोड़ दिया। चल रहे तलाशी अभियान के दौरान राशन से भरे संदिग्ध आतंकी ठिकाने का पता चला।
जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े माने जा रहे दो से तीन आतंकवादियों के इलाके में छिपे होने का संदेह है। रविवार देर रात रोके गए इस अभियान को सोमवार तड़के फिर से शुरू किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों से संपर्क स्थापित करने के बाद रविवार को चत्रू क्षेत्र के मन्द्रल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में अभियान शुरू किया गया। मुठभेड़ हुई, जिसमें आठ सैनिक घायल हो गए, जिनमें से अधिकांश अचानक हुए ग्रेनेड हमले के छर्रों से घायल हुए थे।
अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम भूभाग, घनी वनस्पति और खड़ी ढलानों के कारण दृश्यता और आवागमन में भारी बाधा उत्पन्न हुई, जिसके चलते अभियान को रात भर के लिए रोकना पड़ा। एक्स पर एक पोस्ट में सेना के व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि चत्रू क्षेत्र में ऑपरेशन त्राशी-घजारी है। पोस्ट में कहा गया कि घेराबंदी और कड़ी कर दी गई है और तलाशी अभियान का दायरा बढ़ा दिया गया है। पुलिस और सीआरपीएफ के जवान इलाके में तैनात हैं और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए तैनात हैं।
अधिकारियों ने बताया कि बताया कि सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से इलाके की तलाशी ले रही हैं और आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा घेरा बनाए हुए हैं। इसी बीच, घायल सैनिकों में से एक, हवलदार गजेंद्र सिंह ने 18 और 19 जनवरी की दरमियानी रात को जम्मू के एक सैन्य अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।
सेना ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग और सभी रैंक विशेष बलों के हवलदार गजेंद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने चल रहे ऑपरेशन त्राशी-घके दौरान सिंहपोरा क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान को बहादुरी से अंजाम देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। हम उनके अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण को नमन करते हैं और इस गहरे दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं।

हिंद महासागर में अमेरिकी 'परमाणु किले' डियागो गार्सिया पर बवाल

ट्रंप ने यूके पर उठाए सवाल, बताया भारी मूर्खता

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भड़काऊ रवैये की आग अब हिंद महासागर तक फैल रही है। अचानक रुख बदलते हुए, मॉरीशस को डिएगो गार्सिया द्वीप लौटाने के ब्रिटेन के फैसले पर सवाल उठाया गया, जहां एक अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है। भारत ने ब्रिटेन-मॉरीशस समझौते का समर्थन किया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा हैरान करने वाली बात यह है कि हमारा 'शानदार' नाटो सहयोगी, ब्रिटेन, बिना किसी कारण के डिएगो गार्सिया द्वीप, जहां एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है, मॉरीशस को सौंपने की योजना बना रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि चीन और रूस ने कमजोरी के इस कृत्य को देखा है। उन्होंने इसे ग्रीनलैंड पर अपने कब्जे की कोशिश से जोड़ा।

ब्रिटेन द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण भूमि को सौंपना घोर मूर्खता है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के उन कई कारणों में से एक है जिनके चलते ग्रीनलैंड को हासिल करना आवश्यक है। डेनमार्क और उसके यूरोपीय सहयोगियों को सही काम करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय शक्तियां

केवल ताकत को पहचानती हैं, यही कारण है कि मेरे नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका को अब, केवल एक वर्ष में पहले से कहीं अधिक सम्मान प्राप्त है। ट्रम्प ने भारत का जिक्र नहीं किया, जिसके हिंद महासागर में चीन के संबंध में गहरे सुरक्षा हित हैं और जिसने ब्रिटेन को - जो 1965 से ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी) के हिस्से के रूप में डिएगो गार्सिया का स्वामित्व और प्रशासन करता रहा है। द्वीप के सही मालिक मॉरीशस को संप्रभुता वापस हस्तांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करने में एक शांत भूमिका निभाई है।

ब्रिटेन और मॉरीशस ने दशकों पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए पिछले मई में आधिकारिक तौर पर एक संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसमें मॉरीशस को डिएगो गार्सिया सहित संपूर्ण चागोस द्वीपसमूह का संप्रभु स्वामी घोषित किया गया।

नई दिल्ली के लिए, वाशिंगटन के साथ कुछ ऐतिहासिक विवाद भी जुड़े हैं। डिएगो गार्सिया में एक पूर्ण सैन्य अड्डा स्थापित करने का अमेरिकी निर्णय निक्सन प्रशासन द्वारा लिया गया था, जिसने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान भारत को डराने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक नौसैनिक बल तैनात किया था। भारत ने अमेरिका को चुनौती दी और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के चंगुल से बांग्लादेश को मुक्त कराया, परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत यूएसएस एंटरप्राइज के आगमन से पहले, जो उस समय दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली युद्धपोत था।

बुल्गारिया में राजनीतिक भूचाल राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने दिया इस्तीफा

सोफ़िया। बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। टेलीविजन पर एक संबोधन में रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे। संविधान के तहत मौजूदा उपराष्ट्रपति इलियाना योतोवा को संसद द्वारा शपथ दिलाई जाएगी और वह राष्ट्रपति कार्यकाल की शेष अवधि तक इस पद पर रहेंगी। रादेव ने यह निर्णय ऐसे समय लिया है जब जनता को उम्मीद है कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन कर सकते हैं। उनका इस्तीफा बुल्गारिया के उत्तर-सम्यवादी इतिहास में किसी राष्ट्राध्यक्ष का पहला इस्तीफा है।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब यूरोपीय संघ और नाटो का यह सदस्य देश एक लंबे राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। पिछले महीने हुए भ्रष्टाचार-रोधी बड़े प्रदर्शनों के कारण सत्तारूढ़ गठबंधन को इस्तीफा देना पड़ा था।

मंदिर के सोने से मनी लॉन्ड्रिंग का खेल? सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में ईडी ने 21 जगह मारे छापे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में धन शोधन की जांच के सिलसिले में तीन राज्यों में तलाशी अभियान चलाया। केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। यह तलाशी सबरीमाला मंदिर से संबंधित स्वर्ण और अन्य मंदिर संपत्तियों के दुरुपयोग के संबंध में की जा रही है।

तलाशी में बेंगलुरु स्थित उन्नीकृष्णन पोट्टी से जुड़े परिसर और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार से जुड़े परिसर शामिल हैं। इस बीच, सोने की तस्करी मामले के सिलसिले में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) सबरीमाला मंदिर के गर्भगृह पहुंच गया है। उच्च न्यायालय की अनुमति से, दल सोने की चादरों की मात्रा मापेगा और नमूने एकत्र करेगा। यह तलाशी अपराध की आय का पता लगाने, लाभार्थियों की पहचान करने, आपत्तिजनक दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों को जब्त करने और मनी लॉन्ड्रिंग की पूरी सीमा का पता लगाने के लिए की गई थी।

ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की एफआईआर का संज्ञान लेते हुए पीएमएलए मामला दर्ज किया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य की विशेष जांच टीम (एसआईटी) कर रही है।

यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना गबन करने की आपराधिक साजिश शामिल है। एसआईटी की जांच द्वारपाल (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से सोने की चोरी से संबंधित है।

ईरान में टेंशन जारी, डिफेंस डील के बाद जमीन वाली तैयारी

मिडिल ईस्ट में क्या नया गुल खिलाएगी सऊदी-पाक की यारी

तेहरान। पाकिस्तान वायु सेना ने ईरान संकट के बीच सऊदी अरब की सेना के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करने के लिए हाथ मिलाया है। गौरतलब है कि इन दोनों देशों के अलावा आठ अन्य देश भी इस अभ्यास में भाग ले रहे हैं। खबरों के अनुसार, पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) का एक दल19 जनवरी को सऊदी अरब पहुंचा, जो एक बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास में हिस्सा लेने जा रहा है। यह दल एफ-16 ब्लॉक-52 लड़ाकू विमानों से लैस है। यह जानकारी सोमवार को सेना के मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा साझा की गई। आईएसपीआर ने अपने बयान में कहा कि पीएएफ की टुकड़ी सऊदी अरब के किंग अब्दुलअज़ीज़ एयर बेस पर उतरी है। इस अभ्यास में सऊदी अरब, पाकिस्तान, फ्रांस, इटली, ग्रीस, कतर, बहरीन, जॉर्डन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के लड़ाकू विमान और युद्ध सहायता इकाइयां भाग ले रही हैं। यह अभ्यास भाग लेने वाली वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता, परिचालन समन्वय, आपसी समझ और क्षमता विकास को बढ़ाने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

यह अभ्यास एकीकृत खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से जुड़े मिशनों का भी आयोजन करेगा। आईएसपीआर ने कहा कि इस बहुराष्ट्रीय मंच में भाग लेकर, पाकिस्तान वायु सेना का उद्देश्य सहयोगी वायु सेनाओं के साथ समन्वय को और मजबूत करना है। बयान के अनुसार, इस अंतरराष्ट्रीय तैनाती के लिए, पीएएफ के लड़ाकू विमान पाकिस्तान में अपने घरेलू ठिकानों से सीधे सऊदी अरब के लिए उड़ान भरे, जिससे पीएएफ की लंबी दूरी की परिचालन और तैनाती क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

अफगानिस्तान में चीनी रेस्तरां के बाहर विस्फोट

चीनी नागरिक सहित 7 लोगों की मौत व 20 घायल, आईएसआईएस ने ली जिम्मेदारी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को एक चीनी रेस्तरां के बाहर हुए शक्तिशाली विस्फोट में एक चीनी नागरिक सहित सात लोगों की मौत हो गई, जबकि चार महिलाओं और एक बच्चे समेत 20 लोग घायल हो गए। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) ने ली है।काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जरदान के अनुसार, यह विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे शहर-ए-नाव इलाके में हुआ, जो आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है। मृतकों में छह अफगान नागरिक और एक चीनी नागरिक शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि मारा गया चीनी नागरिक मुस्लिम था और अपनी पत्नी तथा एक अफगान सहयोगी के साथ काबुल में एक चीनी नूडल रेस्तरां संचालित करता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट रेस्तरां की रसोई के पास हुआ, हालांकि धमाके के सही कारणों और इस्तेमाल किए गए विस्फोटक को लेकर जांच जारी है। काबुल के आपातकालीन अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि विस्फोट के बाद 20 घायलों को अस्पताल लाया गया, जिनमें महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस बीच, चरमपंथी संगठन आईएसआईएस ने एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है। घटना ने एक बार फिर अफगानिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर ऐसे समय में जब विदेशी नागरिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बार-बार निशाना बनाया जा रहा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)